Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917
संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 273
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 09 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक
मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' नीति के कारण ... 4 क्या वास्तव में उत्सव मनाने के लिए .... 7 साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के टॉप ...

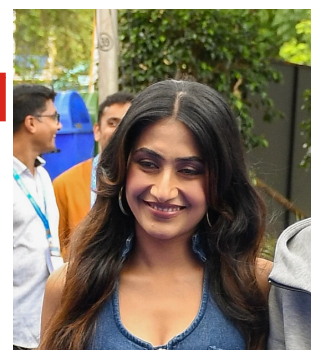

संक्षिप्त न्यूज

पांच लाख रुपए उगाही के लिए खुद के अपहरण की कहानी गढ़ी, गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा शहर की थाना फेस-तीन पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिस पर खुद के अपहरण का स्वांग रचने तथा एक महिला और उसके पति को अपहरण के मामले में फंसाने का प्रयास करने का आरोप है।

थाना फेस-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि पुलिस ने आज एक सूचना के आधार पर दशरथ साहू को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति ने कुसुम नामक महिला और उसके पति काशी रैकवार के साथ गत 24 सितंबर को यहां एक सोसाइटी के पास कथित रूप से मारपीट की तथा 5 लाख रूपए की मांग की थी।

अधिकारी के अनुसार पैसे नहीं देने पर आरोपी ने दोनों को झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने इस मामले में 5 अक्टूबर को थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज करवाया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि जब महिला ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो आरोपी स्वयं घर से गायब हो गया और उसने अपने अपहरण का झूठा नाटक रचा। पुलिस अधिकारी के अनुसार आरोपी ने शिकायती महिला और उसके पति को डरा-धमकाकर पांच लाख रुपए की उगाही करने का प्रयास किया और उसने अपनी पत्नी को यह झूठ बोला कि महिला और उसके पति ने उसका अपहरण कर लिया है।

उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने आज दशरथ साहू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह महिला और उसके पति को फंसाने के लिए अपहरण का झूठा नाटक कर रहा था। वह उनसे 5 लाख रुपए ऐंठना चाह रहा था। आरोपी की उम्र 34 वर्ष है तथा वह कक्षा आठवीं तक पढ़ा है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

चिदंबरम के बड़े खुलासे से बवाल:

पीएम मोदी बोले- 26/11 में सेना को किसने रोका, कांग्रेस जवाब दे

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि मुंबई, जिसे अक्सर भारत की आर्थिक महाशक्ति और सबसे जीवंत शहरों में से एक कहा जाता है, को जानबूझकर नवंबर 2008 में विनाशकारी आतंकवादी हमले के स्थल के रूप में चुना गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर के महत्व ने इसे राष्ट्र के हृदय पर हमला करने की चाह रखने वाले समूहों के लिए एक प्रमुख लक्ष्य बना दिया। मोदी ने तत्कालीन कांग्रेस-नीत सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने 'कमज़ोरी का संदेश' दिया और निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय आतंकवाद के आगे झुकती हुई दिखाई दी। उनके अनुसार, यह प्रतिक्रिया राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए आवश्यक संकल्प को प्रतिबिंबित करने में विफल रही।

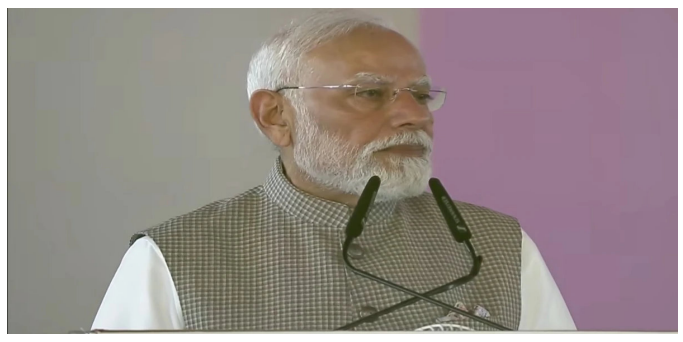

प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के हालिया बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने एक साक्षात्कार में दावा किया था कि 26/11 के हमलों के बाद, भारत की सेना पाकिस्तान पर जवाबी हमले के लिए

तैयार थी। हालाँकि, कथित तौर पर किसी अन्य देश के दबाव के कारण इस योजना को रोक दिया गया था। मोदी ने तर्क दिया कि इस खुलासे से इस बात पर गंभीर सवाल उठते हैं कि कैसे राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी फैसले विदेशी ताकतों द्वारा प्रभावित होते थे।

मोदी ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस के एक बड़े नेता, जो कांग्रेस के शासनकाल में देश के गृहमंत्री रह चुके हैं, ने एक साक्षात्कार में बड़ा खुलासा किया है कि 2008 के मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं, पाकिस्तान पर हमला करने को तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन किसी दूसरे देश के दबाव में कांग्रेस सरकार ने देश की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोक दिया। कांग्रेस को बताना होगा कि वह कौन था, जिसने विदेशी दबाव में फैसला लिया और मुंबई व देश की भावना से खिलवाड़ किया?

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारे लिए देश और देशवासियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। आज का भारत दमदार जवाब देता है, घर में घुसकर मारता है। यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा है। इसके साथ ही मोदी ने वहां मौजूद लोगों से अपील की कि मेरा आपसे आग्रह है, स्वदेशी अपनाइए। गर्व से कहिए, यह स्वदेशी है। यह हर घर और हर बाजार का मंत्र होना चाहिए। हर देशवासी स्वदेशी सामान घर लाएगा, स्वदेशी सामान उपहार में देगा। इससे देश का पैसा देश में ही लगेगा। इससे भारत के श्रमिक को काम मिलेगा और नौजवानों को रोजगार मिलेगा। कल्पना कीजिए, जब पूरा भारत स्वदेशी अपनाएगा तो भारत का सामर्थ्य कितना बढ़ जाएगा।

सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश की खड़गे ने की कड़ी निंदा, बोले- यह अपमान है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को उस घटना की निंदा की जिसमें एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की ओर उनके कोर्ट रूम में जूता फेंकने का प्रयास किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट में हुई घटनाओं और मुख्य न्यायाधीश के अपमान की निंदा करते हैं। ऐसे लोगों की हमारे सभी वकीलों और बार एसोसिएशन को निंदा करनी चाहिए... जो लोग अभी भी मनुस्मृति और सनातन धर्म के नाम पर लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं, उन्हें शिक्षित किया जाना चाहिए।

खड़गे ने कहा कि जो लोग समाज में अनावश्यक तनाव फैलाने और शांति भंग करने का प्रयास करते हैं, उन्हें शिक्षित किया जाना चाहिए और उनकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। एक अभूतपूर्व और चौंकाने वाली घटना में, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बुजुर्ग वकील ने गवई की ओर उनके कोर्ट रूम में जूता फेंकने की कोशिश की। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए जिसने धर्म के नाम पर और समाज को तोड़ने वाली विचारधारा के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश का अपमान करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, 'मुझे दुख है कि इस घटना के बाद वकीलों, सरकारों, राजनीतिक दलों और जनता की ओर से जो प्रतिक्रिया आई, वह व्यापक स्तर पर नहीं थी, लेकिन कुछ प्रगतिशील राज्यों, प्रगतिशील सोच वाले अधिवक्ताओं और राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसकी निंदा की है।' खड़गे ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में वाल्मीकि समुदाय के एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या की भी निंदा की और कहा कि यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था किस हद तक बिगड़ चुकी है।

वित्त मंत्री और सीएम योगी ने बृहस्पति कुंड का अनावरण किया, उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ता है 'बृहस्पति'

नई दिल्ली। भगवान श्री राम की पावन नगरी अयोध्या में बुधवार को एक ऐतिहासिक क्षण आया जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दो दिवसीय दौरे पर पहुँचीं। महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उनका भव्य स्वागत किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जब उनका काफिला होटल रेडिसन पहुँचा, तो पारंपरिक धुनें गूंज उठीं और फिर वे अपने निर्धारित कार्यक्रम शुरू करने लगीं। केंद्रीय मंत्री की यात्रा टेढ़ी बाजार स्थित बृहस्पति कुंड में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करेगी, जहां वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ तीन महान दक्षिण भारतीय संगीतकारों, संत त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों का अनावरण करेंगी।

बृहस्पति कुंड परिसर में स्थापित ये प्रतिमाएँ भारत की संगीत, भक्ति और कलात्मक विरासत के शाश्वत प्रतीक हैं। इन संत-संगीतज्ञों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत में दिव्य भक्ति का संचार किया और इसे राष्ट्र की संस्कृति का आध्यात्मिक सार बना दिया।

अमित शाह 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' की तरह व्यवहार कर रहे हैं; मोदी को सतर्क रहना चाहिए : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उनके कामकाज का तरीका ''कार्यवाहक प्रधानमंत्री'' जैसा है।

बनर्जी ने बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित उत्तर बंगाल के दौरे से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करना चाहती हैं कि वह शाह पर बहुत अधिक भरोसा न करें, जो ''एक दिन उनके मीर जाफर बन सकते हैं।''

वह बंगाल के 18वीं सदी के सेनापति मीर जाफर का संदर्भ दे रही थी जिसने ऐतिहासिक प्लासी के युद्ध में नवाब सिराजुद्दौला को धोखा दिया था और अंग्रेजों के साथ मिल गया था। बाद में वह अंग्रेजों की मदद से बंगाल का शासक बना।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं पर चुनाव वाले राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग के कामकाज में हस्तक्षेपका आरोप लगाया।

बनर्जी ने कहा, ''उनके (भाजपा के)एक नेता बैठक करते हैं और यहां आकर कहते हैं कि वह बंगाल की मतदाता सूची से कई लाख नाम हटा देंगे। मुझे बताइए, हम इस समय प्राकृतिक आपदाओं, भारी बारिश, त्योहारों आदि से जूझ रहे हैं। क्या मौजूदा परिस्थितियों में एसआईआर प्रक्रिया एक पखवाड़े के भीतर पूरी हो सकती है और क्या उस अवधि में नए नाम अपलोड किए जा सकते हैं?''

उन्होंने सवाल किया कि क्या चुनाव आयोग को भाजपा पार्टी के इशारे पर काम करना चाहिए या उसे लोगों के लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकारों के हित में काम करना चाहिए?

तृणमूल अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''यह सब अमित शाह द्वारा खेला गया खेल है। वह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वह इस देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री हों। लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि प्रधानमंत्री को सब कुछ पता है।''

उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री से अनुरोध कर सकते हैं कि अमित शाह पर हमेशा भरोसा न करें। एक दिन वह आपके सबसे बड़े मीर जाफर साबित होंगे। आपके पास समय है, सतर्क रहें क्योंकि सुबह ही दिन दिखाती है।''

बनर्जी ने भाजपा पर ''इस देश को नष्ट करने'' का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि वह हमेशा सत्ता में नहीं रहेगी। उन्होंने कहा, ''मैंने अपने जीवन में कई सरकारें देखी हैं, लेकिन इस तरह का अहंकारी और तानाशाही शासन मुझे कभी नहीं दिखा।

पंजाब में नहीं कटेगी बिजली! केजरीवाल की गारंटी, अगले साल से 24 घंटे आपूर्ति

चड़ीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि पंजाब में बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार कार्य चल रहा है और वादा किया कि अगली गर्मियों से बिजली कटौती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के इतिहास में ऐसी बाढ़ कभी नहीं आई...ऐसे समय में, हमारे सांसद अशोक मित्तल ने घोषणा की कि जिन परिवारों में मृत्यु हुई है, उनके एक बच्चे को उनके विश्वविद्यालय में नौकरी दी जाएगी...लगभग 60 लोग मारे गए, उन्होंने सभी को नौकरी का प्रस्ताव दिया, और 35 ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया...मैं अशोक मित्तल को इस सोच के लिए बधाई देता हूं।

इसके साथ ही केजरीवाल ने कहा कि मैं पंजाब के लोगों को उस अवसर पर बधाई देना चाहता हूं जिसके लिए हम यहां एकत्र हुए हैं...किसी भी पार्टी, किसी भी मुख्यमंत्री और किसी भी केंद्र सरकार ने यह सपना नहीं देखा कि 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो। पिछले 75 वर्षों से ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क पर कोई काम नहीं हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन बड़े स्तर पर किया जा रहा है...मुझे उम्मीद है कि अगली गर्मियों में पंजाब में बिजली कटौती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में किसानों को सिंचाई के लिए कम से कम 8 घंटे बिजली मिल रही है, जिसे जल्द ही बढ़ाकर पूरे दिन कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'अब हम अगले चरण की ओर बढ़ चुके हैं, जिसके तहत 24 घंटे बिजली की आपूर्ति होनी चाहिए।'

केजरीवाल ने कहा कि बुनियादी ढाँचे के उन्नयन में 25,000 किलोमीटर नए बिजली के तार, 8,000 नए बिजली ट्रांसफार्मर और 77 नए बिजली सब-स्टेशन बिछाना शामिल है।

केजरीवाल ने कहा कि बुनियादी ढाँचे के उन्नयन में 25,000 किलोमीटर नए बिजली के तार, 8,000 नए बिजली ट्रांसफार्मर और 77 नए बिजली सब-स्टेशन बिछाए जाएँगे। उन्होंने दावा किया, 'बुनियादी ढाँचे का उन्नयन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। पूरी व्यवस्था आधुनिक होगी। अगली गर्मियों में पंजाब में बिजली कटौती नहीं होगी।'

काली मंदिर तक आसान हुई राह, जेवर में 5.71 करोड़ की लागत से बनेगा बहुप्रतीक्षित मार्ग

जेवर। जेवर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मंडी श्यामनगर से अस्तौली फाटक एवं काली मंदिर तक जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ आज जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह द्वारा ग्रामवासियों के साथ किया गया। यह मार्ग वर्षों से जर्जर अवस्था में था तथा जलभराव की वजह से कई ग्रामों के लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप अब उपरोक्त मार्ग का निर्माण कार्य ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा कराया जाएगा।

इस मार्ग के निर्माण में लगभग 05 करोड़ 71 लाख रुपए की धनराशि खर्च होगी। पूर्व में यह सड़क लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व में थी। इस सड़क के निर्माण से ग्राम मंडी श्याम नगर, अस्तौली और आसपास के कई ग्रामों के असंख्य लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

कश्मीर में आतंकवाद पर दोहरी दबिश:

सीमा पर बीएसएफ की मोर्चाबंदी, अंदर जंगलों में सेना ने की आतंकियों की घेराबंदी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों ने एक बार फिर दोहरी मोर्चेबंदी तेज कर दी है। एक ओर नियंत्रण रेखा पर बीएसएफ और सेना ने निगरानी के नए आयाम गढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर अनंतनाग के घने जंगलों में सुरक्षाबल आतंकियों की धरपकड़ के लिए ज़मीन खंगाल रहे हैं। दोनों कार्रवाइयाँ इस संकेत की तरह हैं कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान अब कश्मीर में आतंकवाद की शेष बची जड़ों को भी उखाड़ फेंकने के मूड में हैं।

हम आपको बता दें कि अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके के अहलान-गडोले क्षेत्र में पिछले दो दिनों से सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ का संयुक्त तलाशी अभियान जारी है। खुफिया सूचना के मुताबिक, आतंकवादियों का एक समूह इस घने, पहाड़ी इलाके में छिपा है। यह वही इलाका है जहाँ अगस्त 2024 और सितंबर 2023 में दो बड़ी मुठभेड़ें हुई थीं– जिनमें चार वरिष्ठ सुरक्षाकर्मियों समेत कई जवानों ने प्राण न्योछावर किए थे। इन घटनाओं के बाद यह इलाका 'दक्षिण कश्मीर के नए आतंक केंद्र' के रूप में चिन्हित किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान में अत्याधुनिक ड्रोन, हैंडहेल्ड थर्मल स्कैनर और सैटेलाइट समन्वय का इस्तेमाल हो रहा है। सुरक्षा बलों का कहना है कि पिछले एक वर्ष में स्थानीय स्तर पर आतंकवाद की नई भर्ती में कमी आई है, लेकिन जंगलों और पहाड़ी इलाकों में छिपे विदेशी आतंकियों की मौजूदगी अब भी चुनौती बनी हुई है।

इसी बीच, बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने बताया है कि नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें लगभग निष्फल हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'हमने सतर्कता और आधुनिक निगरानी उपकरणों जैसे- सेंसर, नाइट-विज़न कैमरे और मल्टी-लेयर इलेक्ट्रॉनिक फेंसिंग के ज़रिए नियंत्रण रेखा पर ऐसा प्रभुत्व बनाया है कि दुश्मन पार नहीं घुस पा रहा है।'

आजम खान से मिलने बुधवार को रामपुर जाएंगे सपा प्रमुख अखिलेश यादव

रामपुर । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेशयादव बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से मिलने रामपुर जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सपा के वरिष्ठ नेता और रामपुर से 10 बार विधानसभा, लोकसभा व राज्यसभा के सदस्य रह चुके खानविभिन्न आपराधिक मामलों में जमानत मिलनेपरपिछले दिनों करीब 23 महीने बाद सीतापुर जेल से रिहा हुए थे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, यादव लखनऊ से बरेली हवाई अड्डे के लिए रवाना होंगे और फिर कार से रामपुर में स्थित खान के आवास पर जाएंगे। सपा प्रमुख की यात्रा से पहले खान ने पत्रकारों को बताया कि वह केवल यादव से मिलेंगे, किसी और से नहीं।

रामपुर के सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी के बारे में पूछे जाने पर खान ने कहा कि वह उन्हें नहीं जानते और उनसे नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा, कोई कार्यक्रम नहीं है। अखिलेश यादव मुझसे मिलेंगे और मैं केवल उनसे ही मिलूंगा।

खान की इस टिप्पणी से अटकलें लगाई

जा रही हैं कि क्या वह यादव के साथ यात्रा पर आए अन्य सपा नेताओं से भी मिलेंगे या नहीं। सपा के फिलहाल 37 सांसद और 107 विधायक हैं, जिनमें 34 मुस्लिम विधायक और चार मुस्लिम सांसद शामिल हैं।

बिहार में एनडीए की वापसी पक्की, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह बोले- नीतीश ही होंगे मुख्यमंत्री

पटना। बिहार में 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सत्ता में वापसी के लिए तैयार है। पत्रकारों से बात करते हुए, रंजन ने कहा कि चुनाव की तारीखों का ऐलान होना बहुत अच्छी बात है। हम इसका इंतज़ार कर रहे थे। 14 नवंबर को नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा, और मतगणना 14 नवंबर को होगी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए, सिंह ने उनके बार-बार मुख्यमंत्री बनने के दावों की तुलना मुंगरीलाल के सपने से की। उन्होंने कहा, 'सपने देखने का हक सभी को है, लेकिन बिहार की जनता उनके माता-पिता का शासन और उसके बाद के 15 साल देख चुकी है। वे अब गुमराह नहीं होंगे।'

जेडीयू नेता खालिद अनवर ने कहा कि बिहार की जनता तैयार है और ये

लोकतांत्रिक राज्य है। जनता उसके साथ जा रही है जो ईमानदार है, जिसने सेवा की है, जिसने बिहार को आगे बढ़ाया है। एनडीए में सब ठीक है... हम मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले आज, छत्तीसगढ़ की भाजपा विधायक भावना बोहरा ने कहा कि राज्य की जनता 14 नवंबर को 'इतिहास रचेगी', क्योंकि बिहार में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने की उम्मीद है। बोहरा ने एएनआई को बताया, 'बिहार की जनता 14 नवंबर को इतिहास रचने जा रही है। बिहार में एनडीए सरकार ने लगातार अच्छा काम किया है। चाहे महिला सुरक्षा की बात हो, युवाओं की बात हो या किसान सम्मान निधि की, इतिहास ज़रूर रचा जाएगा। 14 नवंबर को बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी।' सोमवार को चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। 243 विधानसभा सीटों के लिए 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा और 14 नवंबर को मतगणना होगी। बिहार विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के अलावा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का निर्णय लिया है।

अगर राकेश नहीं असद होता तो क्या होता?

ओवैसी ने सीजेआई गवई पर जूता फेंकने को लेकर भाजपा पर बोला हमला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वकील राकेश किशोर द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले के प्रयास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर निशाना साधा और किशोर के खिलाफ कार्रवाई न करने पर सवाल उठाया तथा धर्म के आधार पर पक्षपात का संकेत दिया। ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम द्वारा एक्स पर साझा किए गए भाषण में कहा कि अगर उसका नाम राकेश किशोर नहीं होता और असद होता, तो पुलिस क्या करती? बीजेपी वाले कहते, 'उसे उठा लो!', वह पड़ोसी देश से आया है'! वे उस व्यक्ति के खिलाफ सारे मोर्चे खोल देते। उन्होंने राकेश किशोर की 'बेशर्मी' की तुलना हाल ही में उत्तर प्रदेश के बरेली में 'आई लव मुहम्मद' बैनर हटाने का विरोध कर रहे मुसलमानों पर पुलिस की कार्रवाई से की। राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ अपनी शिकायतों की सूची में बरेली का भी ज़िक्र किया और कहा कि न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर न्याय के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए था।

ओवैसी ने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि राकेश किशोर ने नारा लगाया था, सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। किशोर ने मीडिया चैनलों को बताया कि हिंदू देवता भगवान विष्णु की एक मूर्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की हालिया टिप्पणी से उन्हें ठेस पहुँची है।

बीड़ी जलाने के बाद पेट्रोल पर माचिस की तीली फेंकी, छह लोग झुलसे

नासिक । महाराष्ट्र के नासिक शहर में बुधवार को एक व्यक्ति ने बीड़ी जलाने के बाद अनजाने में माचिस की तीली वहां फैले पेट्रोल पर फेंक दी, जिससे लगी आग में छह लोग झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि कुछ घायलों को जिला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का निजी चिकित्सा केंद्र में इलाज किया जा रहा है। उसने बताया कि यह दुर्घटना शहर के सतपुर इलाके में दोपहर के समय हुई।

पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, महादेववाड़ी स्थित मटन मार्केट के पास कुछ मजदूर एक पेड़ की कटाई कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मजदूर पेड़ काटने वाली मशीन चलाने के लिए एक कैन में पेट्रोल लेकर आए थे।

अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात कार ने कैन को टक्कर मार दी, जिससे पेट्रोल वहां फैल गया। उन्होंने बताया कि तभी पास में बैठे एक बुजुर्ग व्यक्ति ने बीड़ी सुलगाई और बिना सोचे-समझे माचिस की तीली फेंक दी।

अधिकारी ने बताया कि जलती हुई माचिस की तीली से अचानक तेजी से आग फैली, जिससे छह लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाई। अधिकारी ने बताया कि सतपुर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पहले 60 करोड़ रुपये जमा करें

बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर विदेश यात्रा पर लगाई रोक

मुम्बई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को निर्देश दिया है कि अगर वे लॉस एंजिल्स या किसी अन्य विदेशी देश की यात्रा करना चाहते हैं, तो उन्हें पहले 60 करोड़ रुपये जमा कराने होंगे। यह आदेश दंपति द्वारा दायर एक याचिका के बाद आया है, जिसमें 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में दर्ज एफआईआर के संबंध में उनके खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) को रद्द करने की मांग की गई है। बता दें कि यह मामला अगस्त में तब सामने आया जब लोटस कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक और व्यवसायी दीपक कोठारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

कोठारी के बयान के मुताबिक, ये घटनाएँ 2015 से 2023 के बीच हुईं। उन्होंने दावा किया कि दंपति ने अपनी कंपनी, बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड, के लिए 75 करोड़ रुपये का लोन लेने के लिए उनसे संपर्क किया था। यह कंपनी लाइफस्टाइल उत्पादों को बढ़ावा देने और एक ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म चलाने के लिए शुरू की गई थी। शुरुआत में इसे 12इ ब्याज पर लोन देने का इरादा था। हालाँकि, शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने कथित तौर पर उन्हें इसे निवेश में बदलने के लिए मना लिया, मासिक रिटर्न और मूलधन की पूरी अदायगी का वादा किया।

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेनों और पटरियों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे 1 से 15 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मना रही है ताकि स्टेशनों, कार्यालयों, कारखानों और ट्रेनों में स्वच्छता, सफाई और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके। इस अभियान के शुभारंभ और प्रारंभिक गतिविधियों के आधार पर 6वें और 7वें दिन स्वच्छ ट्रेनों और स्वच्छ पटरियों एवं यार्डों पर केंद्रित पहलों के साथ अभियान आगे बढ़ा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छठे दिन, 6 अक्टूबर, 2025 को पर्यवेक्षकों और अधिकारियों की टीमों के साथ वाशिंग लाइन पर प्राथमिक बेस रेक और स्टेबल रेक में ट्रेनों की गहन सफाई और निरीक्षण किया गया। स्वच्छता को प्रोत्साहित करने के लिए, शून्य यात्री शिकायतों के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले संविदा पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को पुरस्कार घोषित किए गए। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और शून्य यात्री शिकायतों के आधार पर 2 संविदा कर्मचारियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

7 अक्टूबर को स्वच्छ ट्रैक और यार्ड पर ध्यान केंद्रित किया गया। ब्लॉक सेक्शन और आस-पास के स्टेशनों में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), एनएसएस और युवा संगठनों ने पटरियों के पास खुले में शौच को रोकने के लिए श्रमदान गतिविधियों और जागरूकता अभियानों में भाग लिया और मदद की। पश्चिम रेलवे पर 110 किलोमीटर से ज़्यादा पटरियों की सफाई की गई।

पटरियों और आस-पास के क्षेत्र की सफाई पर ज़ोर दिया गया। 80 स्टेशन क्षेत्रों की सफाई की गई। साथ ही पटरियों के किनारे 70 से ज़्यादा नालों की सफाई भी की गई। स्वच्छता और दृश्यता बनाए रखने के लिए पटरियों के किनारे से अवांछित घास और झाड़ियों को हटाया गया। शहरी स्थानीय निकायों, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों, समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ), स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान पश्चिम रेलवे की समर्पित प्रतिबद्धता और प्रयास स्वच्छता और सफाई बनाए रखने के प्रति इसके मजबूत संकल्प को दर्शाते हैं, जिससे यात्रियों को न केवल स्टेशन परिसर में बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर वातावरण का अनुभव सुनिश्चित होता है, जिससे समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य और बेहतर यात्रा अनुभव में योगदान मिलता है।

साइबर जागरूकता माह' के अवसर पर रेलवे पुलिस जागरूकता

मुंबई। रेलवे पुलिस आयुक्तालय ने 'साइबर जागरूकता माह' घोषित किया है और मुंबई में विभिन्न स्थानों पर, विशेष रूप से छात्रों के बीच साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता शुरू की है। इसके एक भाग के रूप में, आज अंधेरी में जितेंद्र चव्हाण लॉ कॉलेज के छात्रों को साइबर अपराधों को रोकने के तरीके के बारे में बताया गया और जागरूकता पैदा की गई। इस बीच, पहले शहर की पुलिस यह जागरूकता करती थी। हालांकि, अब रेलवे पुलिस ने साइबर अपराधों को रोकने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अंधेरी रेलवे पुलिस ने विले पार्ले और जुहू के बीच जितेंद्र लॉ कॉलेज के छात्रों से संपर्क किया। आज सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक, लगभग 50 पुरुष और महिला छात्र अंधेरी रेलवे पुलिस स्टेशन में जितेंद्र चव्हाण लॉ कॉलेज की प्रिंसिपल प्रिया शाह और सुषमा मस्के की उपस्थिति में अंधेरी रेलवे पुलिस स्टेशन आए और विशेषज्ञ पुलिस अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया इस अवसर पर उन्होंने जितेंद्र चव्हाण महाविद्यालय के विद्यार्थियों को साइबर जागरूकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराध के बारे में भी जागरूकता पैदा की। उन्होंने पुलिस स्टेशन की विभिन्न शाखाओं और शाखा के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान, गोपनीय शाखा के पुलिस उप-निरीक्षक म्हेत्रे, महाडीक, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक तायडे और पुलिस कांस्टेबल कदम के साथ-साथ शाखा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इसके लिए अंधेरी रेलवे पुलिस स्टेशन का आभार व्यक्त किया।

मध्य रेल ने सतर्कता अभियान के तहत CTE प्रकार की गहन जाँच पर संगोष्ठी का आयोजन किया

'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर आधारित चल रहे केंद्रीय सतर्कता अभियान के हिस्से के रूप में, मध्य रेलवे के सतर्कता संगठन द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत CTE प्रकार की गहन जाँच पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

यह संगोष्ठी 7 अक्टूबर 2025 को मुंबई के मध्य रेलवे मुख्यालय कार्यालय में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य अधिकारियों में सार्वजनिक खरीद और अवसंरचना परियोजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए जागरूकता बढ़ाना और दक्षता विकसित करना था।

मध्य रेल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (एसडीजीएम) एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री नीरज कुमार दोहरे ने समारोह की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता थी सुभाष कुमार सिंगला, सेवानिवृत्त ईर्ं अधिकारी (इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इंजीनियर्स) द्वारा दिया गया विचारोत्तेजक व्याख्यान। अपने व्यापक अनुभव के आधार पर, सिंगला ने प्रभावी निरीक्षण तकनीकों, सामान्य कमियों और सार्वजनिक कार्यों में ईमानदारी बनाए रखने के सर्वोत्तम तरीकों पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किए।

इस संगोष्ठी में मध्य रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पहल तीन महीने के सतर्कता जागरूकता अभियान (18 अगस्त 2025 से 17 नवंबर 2025 तक) के दौरान आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की श्रृंखला का हिस्सा है।

रेलवे ने यात्रियों की मांग पर सोलापुर-धर्मवरम साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों का मार्ग अनकापल्ली तक बढ़ाया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की मांग पर, रेलवे ने सोलापुर-धर्मवरम (पहले तिरुपति तक) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों का मार्ग अनकापल्ली तक बढ़ा दिया है और सोलापुर तथा अनकापल्ली के बीच 8 अतिरिक्त साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। विवरण इस प्रकार हैः-

सोलापुर-अनकापल्ली साप्ताहिक स्पेशल (8 यात्राएँ)

01437 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें 09.10.2025 से 27.11.2025 तक प्रत्येक गुरुवार को 23:20 बजे सोलापुर से प्रस्थान करेंगी और तीसरे दिन 13:00 बजे अनकापल्ली पहुँचेंगी। (4 यात्राएँ)

01438 साप्ताहिक विशेष ट्रेनें 11.10.2025 से 29.11.2025 तक प्रत्येक शनिवार को 17:35 बजे अनकापल्ली से प्रस्थान करेंगी और तीसरे दिन 10:30 बजे सोलापुर पहुंचेंगी। (4 यात्राएँ)

स्टॉपेजः कुर्डुवाडी, बारसी टाउन, धाराशिव, लातूर, लातूर रोड, कलबुरगि, वाडी, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनी, गुंतकल, अनंतपूर, धर्मवरम, कदिरी, मदनपल्ली रोड, पीलेर, पाकाला, तिरूपति, रेणिगुंटा, श्री कालहस्ती, गुडूर, नेल्लूर, ओंगोल, चीराला, तेनाली, विजयवाड़ा, एलुरु, ताडेपल्लीगुडेम, निडदवोलु, राजमंड्री, सामलकोट, अन्नवरम और एलमंचिली।

संरचनाः1 एसी-II टियर, 1 एसी-III टियर, 11 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 लगेज-कम-ब्रेक वैन (19 कोच)

आरक्षण एवं बुकिंगः विशेष ट्रेनों संख्या 01437/014388 के आगे के फेरों के लिए विशेष शुल्क पर आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध है।

अनारक्षित डिब्बों की बुकिंग स्टेशनों पर बुकिंग काउंटरों और ळऊए ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है।

इन विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

ऐरोली संभाग में अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद, संबंधितों ने नोटिस का संज्ञान नहीं लिया। माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार, अतिक्रमण विभाग ने अपर आयुक्त (द्वितीय) डॉ. राहुल गेठे और उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में ऐरोली संभाग में अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की।

चिदानंद शिवप्पा शिंदगी ने नवी मुंबई नगर निगम के जी संभाग ऐरोली कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में सी-122, सेक्टर-04, ऐरोली, नवी मुंबई में एक अनधिकृत निर्माण शुरू किया था। जी संभाग कार्यालय के माध्यम से उक्त अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 54 के अंतर्गत एक नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद, संबंधितों द्वारा किए गए अनधिकृत निर्माण को स्वयं हटाना आवश्यक था। लेकिन उन्होंने अनधिकृत निर्माण जारी रखा। सुनील कथोले, षष्ठम आयुक्त एवं प्रभाग अधिकारी, ऐरोली के नेतृत्व में एक तोड़फोड़ अभियान चलाकर अनाधिकृत निर्माण को हटाया गया। इस छापेमारी अभियान में जी-विभाग कार्यालय के अतिक्रमण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, 05 मजदूर, ब्रेकर-2, गैस कटर-1, तथा अतिक्रमण विभाग की पुलिस तैनात थी।आगे भी इसी प्रकार अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई तेज की जाएगी।

पश्चिम रेलवे

एयर कंडीशनिंग सिस्टम के लिए सीएमसी

उप मुख्य विद्युत अभियंता (डब्ल्यू), पश्चिम रेलवे कैरिज मरम्मत कारखाना, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013, ई-निविदा सूचना संख्याः EL/WA/PL/2025-26/20 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** लोअर परेल कैरिज वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे में विभिन्न स्थानों पर 03 वर्षों की अवधि के लिए एयर कंडीशनिंग सिस्टम हेतु व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 37,06,651.50। बयाना **राशिः** 74,100/-। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 27.10.2025, 12:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथिः** 27.10.2025 को 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0683

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल ट्रेन का बलरामपुर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09043/09044 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल ट्रेन को बलरामपुर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः बांद्रा टर्मिनस से 12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09043 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल बलरामपुर स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन बलरामपुर स्टेशन पर 06:22 बजे पहुँचेगी और 06:24 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, बढ़नी से 13 अक्टूबर, 2025 यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09044 बढ़नी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल बलरामपुर स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन बलरामपुर स्टेशन पर 14:40 बजे पहुँचेगी और 14:42 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मध्य रेल द्वारा दिवाली एवं छठ पर्व 2025 के अवसर पर अतिरिक्त विशेष गाड़ियाँ चलाने का निर्णय

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी दिवाली एवं छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, मध्य रेल द्वारा विभिन्न गंतव्यों के बीच अतिरिक्त विशेष गाड़ियाँ चलाने का निर्णय लिया गया है। विवरण इस प्रकार है -

1) खड़की - हजरत निजामुद्दीन - खड़की द्वि-साप्ताहिक विशेष (8 फेरे)

01427 खड़की - हजरत निजामुद्दीन द्वि-साप्ताहिक विशेष

यह विशेष गाड़ी खड़की से प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को शाम 16.45 बजे प्रस्थान करेगी (दिनांक 15.10.2025 से 26.10.2025 तक - कुल 4 फेरे) और अगले दिन रात 20.00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी।

01428 हजरत निजामुद्दीन - खड़की द्वि-साप्ताहिक विशेष

यह गाड़ी हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक गुरुवार एवं सोमवार को रात 21.25 बजे प्रस्थान करेगी (दिनांक 16.10.2025 से 27.10.2025 तक - कुल 4 फेरे) और अगले दिन रात 23.55 बजे खड़की पहुँचेगी।

स्टॉपेज (ठहराव): लोणावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा जं., गोधरा जं(केवल 01428 के लिए)., रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी जं., कोटा जं., सवाई माधोपुर जं., गंगापुर सिटी जं., भरतपुर जं., मथुरा।

रचना (ण्दस्ज्देूग्दह): 16 ए.सी. 3-टियर कोच तथा 2 लगेज/जनरेटर सह गार्ड ब्रेक वैन।

बुकिंगः ट्रेन संख्या 01427 के लिए आरक्षण की बुकिंग 09.10.2025 से सभी संगणकृत आरक्षण केंद्रों तथा वेबसाइट www.irctc.co.in पर प्रारंभ होगी।

इन विशेष गाड़ियों के ठहरावों पर विस्तृत समय-सारणी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे त्योहारों के अवसर पर इन विशेष गाड़ियों की सुविधा का लाभ उठाएँ।

पश्चिम रेलवे

बीएलडीसी कैरिज पंखों की ओवरहालिंग एवं रखरखाव

उप मुख्य विद्युत अभियंता (पश्चिम), पश्चिम रेलवे कैरिज मरम्मत कारखाना, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013, ई-निविदा सूचना संख्याः EL/WA/PL/2024-25/65R आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** कार्यक्षेत्र एवं दर अनुसूची के अनुसार लोअर परेल कारखाना, मुंबई में बीएलडीसी कैरिज पंखों की ओवरहालिंग, सफाई, रंगाई एवं परिवहन। **कार्य की अनुमानित लागतः** 43,22,188.08। बयाना राशिः 86,500/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 24.10.2025, 12:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथिः** 24.10.2025, 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0682

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

निवेशकों से महाराष्ट्र में पहल करने का आग्रह

'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' नीति के कारण महाराष्ट्र में उद्यमियों के लिए अनुकूल माहौल - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य सरकार 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' नीति लागू कर रही है। सरकार की नीति इसके माध्यम से निवेशकों की समस्याओं का समाधान करना है। इसी के चलते महाराष्ट्र में निवेश लाभदायक है। महाराष्ट्र देश का सबसे उद्योग-अनुकूल राज्य है और यहाँ अच्छी संचार सुविधाएँ उपलब्ध हैं। शिक्षा के क्षेत्र में, विभिन्न देशों के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की गई है और बड़ी संख्या में कुशल जनशक्ति का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने होटल ताज पैलेस में ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में निवेश के माहौल, बुनियादी ढाँचे और भविष्य की विकास योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जिस प्रकार लंदन ब्रिटेन की पहचान है, उसी प्रकार मुंबई महाराष्ट्र की पहचान है

और महाराष्ट्र भारत की पहचान है। उन्होंने कहा कि 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' नीति के कारण औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान हो गई है। निवेशकों की समस्याओं के समाधान के लिए एक 'वॉर रूम' स्थापित किया गया है और इसकी हर महीने समीक्षा की जाती है। राज्य में उद्योग, वित्त, शिक्षा, शहरी विकास और प्रौद्योगिकी सहित सभी क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएँ हैं।

देश के शिक्षा क्षेत्र में एक नई नीति लागू की गई है और विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए प्रवेश द्वार खोले गए हैं। इसके तहत, राज्य के नवी मुंबई में 'एजु सिटी' की स्थापना की जा रही है, जिसमें लंदन विश्वविद्यालय का एक परिसर होगा और दो हज़ार छात्रों को शिक्षा प्रदान की जाएगी। नवी मुंबई हवाई अड्डा, सी-लिंक और 'तीसरी मुंबई' परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में आधुनिक शहरी विकास हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वधान बंदरगाह का विकास किया जा रहा है और बुलेट ट्रेन स्टेशन तथा हरित औद्योगिक क्षेत्र के माध्यम से इस क्षेत्र को 'चौथी मुंबई' के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर ईवी हब बन रहा है, नागपुर सोलर मॉड्यूल निर्माण केंद्र बन रहा है, जबकि पुणे उद्योगों का एक प्रमुख केंद्र है। महाराष्ट्र देश में स्टार्टअप और निवेश में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढाँचे के विकास के कारण भारत आज एक निवेश-अनुकूल देश बन गया है, और प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ी है। 'स्ट्रीट वेंडर्स' ने डिजिटल लेनदेन को अपनाया है। दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन भारत में हो रहे हैं, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है, और 2030 तक 50 प्रतिशत पुनर्चक्रित ऊर्जा के उपयोग का लक्ष्य रखा गया है। महाराष्ट्र में सौर ऊर्जा को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य में डेटा सेंटर, एआई और क्वांटम तकनीक के लिए पुणे में एक विशेष प्रणाली स्थापित की जा रही है। उन्होंने कहा कि कौशल विश्वविद्यालयों के माध्यम से एचपी जैसे अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ विशेषज्ञ तैयार करने की दिशा में काम चल रहा है। मुंबई फिनटेक और वित्त कंपनियों का घर है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि ब्रिटेन और भारत के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने महाराष्ट्र में तेजी से बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश करने की इच्छा व्यक्त की। उपस्थित सदस्यों ने राज्य में चल रहे विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि वे राज्य में निवेश के लिए उत्सुक हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए छात्रावासों हेतु स्थान उपलब्ध कराया जाए- राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए शुरू किए गए छात्रावास कुछ स्थानों पर किराए की भूमि पर चल रहे हैं। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने जिला कलेक्टरों को छात्रावासों के लिए आवश्यक सरकारी भूमि उपलब्ध कराने हेतु तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक जिले के जिला कलेक्टर अगले पंद्रह दिनों के भीतर भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करें।

केंद्र सरकार की 'बाबू जगजीवनराम छात्र आवास योजना' के अंतर्गत छात्रावासों के निर्माण हेतु सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अतुल सावे, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव ए.बी. धुलज, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला कलेक्टर और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि जिन जिलों में छात्रावास निर्माण के लिए भूमि का स्वामित्व अभी तक निर्धारित नहीं हुआ है, वे तत्काल उपयुक्त भूमि का निर्धारण कर प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उन्होंने जिलाधिकारियों को भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया के लिए सर्वेक्षण शुल्क माफ करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि विमुक्त जातियों और घुमंतू जनजातियों के लाभार्थियों को पहचान पत्र, प्रमाण पत्र और विभिन्न योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिलों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए छात्रावास शुरू करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। बैठक में छात्रावास की भूमि के संबंध में सभी जिलों की समीक्षा की गई। दस जिलों में डेयरी विकास विभाग के स्वामित्व वाली भूमि छात्रावास के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने संबंधित जिलाधिकारियों को उन भूमियों के हस्तांतरण के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाने के निर्देश दिए।

एनसीसी प्रशिक्षण स्कूल स्तर पर लागू किया जाए - मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे ने निर्देश दिया है कि राज्य के विद्यार्थियों में अनुशासन, स्वास्थ्य और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए स्कूल स्तर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

खेल मंत्रालय में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), स्काउट्स एवं गाइड्स संबंधी बैठक में युवा कल्याण मंत्री एडवोकेट कोकाटे ने यह भूमिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने केंद्र सरकार को स्कूल स्तर पर एनसीसी प्रशिक्षण शुरू करने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावना, अनुशासन और खेल प्रेम और बढ़ेगा।

इस अवसर पर आयुक्त शीतल तेली, एनसीसी कैप्टन जे. जॉर्ज, सहायक निदेशक मिलिंद दीक्षित, शिक्षा उपनिदेशक डॉ. वंदना वाहुल, स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव अनिरुद्ध कुलकर्णी उपस्थित थे।

मंत्री कोकाटे ने कहा कि पूर्व सैनिकों, एनसीसी छात्रों और खेल शिक्षकों की मदद से स्कूली शिक्षकों को खेलकूद और अभ्यास का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यह प्रशिक्षण छात्रों में कम उम्र से ही शारीरिक फिटनेस, आत्म-अनुशासन और गहन चिंतन का विकास करने में उपयोगी होगा। छात्रों में आउटडोर खेलों के प्रति प्रेम जगाने के लिए स्कूल स्तर पर अनिवार्य खेल प्रशिक्षण प्रदान करना आवश्यक है। भविष्य में ओलंपिक जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एक नीति तैयार की जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि खेल शिक्षकों की संख्या बढ़ाने और खेल प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों को शिक्षक के रूप में नियुक्ति में विशेष रियायतें प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

एनसीसी प्रशिक्षण नेतृत्व गुण, चरित्र निर्माण, सेवा भावना और खेल भावना विकसित करने का एक प्रभावी साधन है। एनसीसी का उद्देश्य एक अनुशासित और प्रशिक्षित युवा शक्ति तैयार करना है जो आपात स्थिति में देश की मदद कर सके। साथ ही, स्काउट-गाइड के माध्यम से ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों में सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखा जाता है।

बैठक के दौरान दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023-24 में राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में कुल 1,00,884 छात्र एनसीसी के तहत प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिनमें से जूनियर वर्ग में 61,328 और सीनियर वर्ग में 39,502 छात्र भाग ले रहे हैं।

लैंड-पेज समिति की सिफारिशों के अनुसार, नवी मुंबई नगर निगम में चार सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के 'सफाई कर्मचारी' संवर्ग के सेवानिवृत्त एवं दिवंगत कर्मचारियों की आजीविका के मुद्दे को तत्काल हल करने और उनके परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए, नवी मुंबई नगर निगम नियमित रूप से उनके उत्तराधिकारियों को सेवा में शामिल करने की कार्रवाई करता है।

हाल ही में, मुख्यमंत्री द्वारा परिकल्पित 150-दिवसीय कार्यक्रम के तहत, अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियों में अत्यंत संवेदनशीलता बरतते हुए, 6 कर्मचारियों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं।

कर्मचारियों के कल्याण के लिए इसी प्रकार के कदम उठाते हुए, प्रतीक्षा सूची में शामिल सेवानिवृत्त एवं दिवंगत सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को 'लैंड पेज समिति' की सिफारिशों के अनुसार उत्तराधिकार के अधिकार के आधार पर नियुक्त किया गया है। इसके अंतर्गत, मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन और अपर आयुक्त सुनील पवार की अध्यक्षता वाली समिति की सहमति से, ग्रुप 'सी' के एक उम्मीदवार को 'कैशियर' के पद पर और ग्रुप 'डी' के 3 उम्मीदवारों को 'स्वच्छता कर्मचारी' के पद पर नियुक्त किया गया है।

प्रशासन विभाग के उपायुक्त किसनराव पलांडे द्वारा कुल 4 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। श्री अक्षय बालू शिरसाठ, श्री सागर भगवान सुरदकर, श्री जयदीप संतोष हिरवे और श्री आकाश सचिन तांबे ने नियुक्ति पत्र स्वीकार किए।

मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में, नवी मुंबई मनपा के प्रशासन विभाग के माध्यम से सेवा-संबंधी मामलों पर नियमित और नियमित कार्रवाई की जा रही है और अपनाई गई इस समयबद्ध प्रक्रिया के कारण, लैंड-पेज समिति की प्रतीक्षा सूची में उम्मीदवारों की संख्या शून्य हो गई है। नवी मुंबई मनपा द्वारा अपने सफाई कर्मचारियों के प्रति की गई इस संवेदनशील कार्रवाई पर उम्मीदवार और उनके परिवार संतोष व्यक्त कर रहे हैं।

बोईसर रेलवे स्टेशन के पास भूमिगत मार्ग बनाने हेतु राज्य सरकार से धनराशि हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करें- वन मंत्री एवं पालघर के पालक मंत्री गणेश नाइक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पालघर जिले में बोईसर रेलवे स्टेशन के पास फ्लाईओवर और अंडरपास के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए संबंधित एजेंसियों को समन्वय करना चाहिए। वन मंत्री एवं पालघर के पालक मंत्री गणेश नाइक ने राज्य सरकार को अंडरपास के लिए लोक निर्माण विभाग से धनराशि प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

बोईसर में रेलवे समपार फाटक को बंद करने और वहाँ फ्लाईओवर एवं अंडरपास के निर्माण के संबंध में वन मंत्री एवं पालघर के पालक मंत्री गणेश नाइक की अध्यक्षता में सह्याद्री अतिथि गृह में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सावरा, विधायक राजेंद्र गावित, विधायक विलास तारे, पालघर जिला कलेक्टर इंदुमती जाखड़, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक विकास कुमार सहित रेलवे विकास निगम और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

नागरिकों ने बोईसर रेलवे स्टेशन पर लेवल क्रॉसिंग गेट को बंद करके अंडरपास के निर्माण के साथ-साथ रेलवे फ्लाईओवर (आरओबी) के निर्माण की मांग की थी। नागरिक फ्लाईओवर के डिज़ाइन का विरोध कर रहे थे क्योंकि इसे डिज़ाइन करते समय वहाँ के कुछ आदिवासी गाँव विस्थापित हो जाएँगे। इसलिए, वन मंत्री और पालकमंत्री नाइक ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर का संशोधित डिज़ाइन तैयार करने के निर्देश दिए। यह भी बताया गया कि इस स्थान पर अंडरपास बनाने के लिए 125 करोड़ रुपये और राज्य सरकार से 62.50 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। इस पर वनमंत्री नाइक ने तुरंत लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंह भोसले को फोन किया और अंडरपास के लिए धन की मांग की। लोक निर्माण मंत्री भोसले ने वनमंत्री नाइक की मांग को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया और उन्हें प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा।

इस अवसर पर बोईसर के नागरिकों की समस्याओं पर चर्चा की गई। सांसद सावरा और विधायक सर्वश्री तारे और गावित ने भी नागरिकों की मांगों को ध्यान में रखते हुए रेलवे फ्लाईओवर के डिज़ाइन को संशोधित करने की मांग की।

हैंडपंप रखरखाव एवं मरम्मत कर्मियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार सकारात्मक - मंत्री गुलाबराव पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ग्रामीण क्षेत्रों में सुचारू जलापूर्ति बनाए रखने के लिए हैंडपंप कर्मचारी कार्यरत हैं। जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि उनकी सभी समस्याओं पर सकारात्मक विचार किया जाएगा।

मंत्री पाटिल हैंडपंप रखरखाव एवं मरम्मत कर्मियों की समस्याओं के संबंध में मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। इस बैठक में विधायक सुधीर मुनगंटीवार, जल आपूर्ति विभाग के प्रधान सचिव संजय खंडारे, संयुक्त सचिव गीता कुलकर्णी उपस्थित थे। चंद्रपुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और हैंडपंप रखरखाव एवं मरम्मत कर्मियों के प्रतिनिधियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक में चंद्रपुर जिले के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों में कार्यरत हैंडपंप रखरखाव एवं मरम्मत कर्मियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि हैंडपंप रखरखाव एवं मरम्मत कर्मियों द्वारा उठाई गई सभी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने भी कहा कि इन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के प्रयास किए जाएँगे। उपस्थित कर्मचारियों ने अपने वेतन, पेंशन, सेवा शर्तों आदि से संबंधित मुद्दे उठाए। गुलाबराव पाटिल ने कहा कि इन सभी मामलों पर गहन विचार-विमर्श के बाद कार्रवाई की जाएगी।

वर्धा, गोंदिया और भंडारा जिलों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए- मंत्री डॉ. पंकज भोयर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने स्कूल शिक्षा विभाग को वर्धा, गोंदिया और भंडारा जिलों के लिए स्वीकृत समूह-क, ख और समूह-ग के रिक्त पदों पर पात्र उम्मीदवारों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

वर्धा, गोंदिया और भंडारा जिलों के लिए स्वीकृत समूह-क, ख और समूह-ग के

रिक्त पदों के संबंध में मंत्रालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर नागपुर संभागीय शिक्षा उपनिदेशक डॉ. माधुरी सावरकर और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने वर्धा, गोंदिया और भंडारा जिलों के लिए स्वीकृत समूह-क, ख और समूह-ग के रिक्त पदों की विस्तृत समीक्षा की। भोयर ने स्कूल शिक्षा विभाग को इन जिलों में सभी रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तत्काल लागू करने के निर्देश दिए।

राज्य में सभी एम्बुलेंसों का एकीकृत नेटवर्क, संचालन और रखरखाव, निगरानी प्रस्ताव विचाराधीन - लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।राज्य में लोक स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ एमएसआरडीसी, एनएचएआई आदि कई संस्थाओं द्वारा एम्बुलेंस सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने कहा कि इन सभी एम्बुलेंसों का एकीकृत नेटवर्क बनाने, संचालन और निगरानी का प्रस्ताव विचाराधीन है। मंत्री अबितकर महाराष्ट्र आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के संबंध में मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती मेघना साकोरे-बोर्डिकर, स्वास्थ्य सचिव डॉ. निपुण विनायक, स्वास्थ्य सेवा आयुक्त डॉ. कादंबरी बलकावड़े, परिवहन आयुक्त, के साथ-साथ आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा प्रदाता और उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नई अत्याधुनिक 108 एम्बुलेंस जल्द ही राज्य की चिकित्सा सेवा में शामिल की जाएँगी। इस बैठक में यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि ये सभी एम्बुलेंस निर्धारित समय के भीतर सेवा में शामिल हो जाएँ और आवश्यकतानुसार स्थान निर्धारित किए जाएँ। नई अत्याधुनिक 108 एम्बुलेंस के साथ-साथ 102, 104, 112 नंबर की एम्बुलेंस भी कार्यरत हैं। [illegible] और [illegible] जैसी संस्थाओं द्वारा राजमार्गों और टोल प्लाजा पर एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। मंत्री अबितकर ने कहा कि यदि इन सभी एम्बुलेंस का एक संयुक्त नेटवर्क बनाया जाए, तो मरीजों को गोल्डन ऑवर के दौरान त्वरित चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जा सकेंगी। राज्य में एम्बुलेंस सेवा पर स्पष्ट रूप से 'महाराष्ट्र सरकार' लिखा होना चाहिए। किसी भी कंपनी का नाम या लोगो इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। आपूर्तिकर्ता संगठन को एम्बुलेंस को महाराष्ट्र सरकार की पहल के रूप में ब्रांड करना चाहिए, न कि अपनी कंपनी के रूप में। मंत्री अबितकर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि एम्बुलेंस को सरकारी अधिकारियों की स्वीकृति के बाद ही ब्रांड किया जाए।

सम्पादकीय

अदालत के भीतर जूते फेंकने जैसी हरकत, कानून से न्याय दिलाने वाला हिंसा की भाषा में क्यों बोल पड़ा?

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय-प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है।

गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था।

सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गईं बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है।

शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की।

हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी।

आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली। आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे-समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह सिमटती जा रही है और आक्रामकता तथा हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

क्या वास्तव में उत्सव मनाने के लिए खतरनाक पटाखों की जरूरत है? खुशी के नाम पर हम हवा में क्यों मिला रहे हैं जहर?

खुशी का इजहार करने के लिए और भी कई तरीके हैं। इनमें संगीत-नृत्य का आयोजन, नगाड़े एवं ढोलक बजाना, लोकगीत गायन या खुल कर नृत्य करना हो सकता है। भूले-बिसरे पारंपरिक तरीके भी अपनाए जा सकते हैं। सहभोज को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि कुछ लोग खुशी की अभिव्यक्ति को केवल पटाखों से जोड़ कर क्यों देखते हैं। जब पटाखों पर सवाल उठता है, तब कई लोग तर्क देते हैं कि इससे अधिक वाहनों और फैक्टरियों से प्रदूषण फैलता है, तो इस पर भी गौर किया जाना चाहिए। इस तर्क में दम है, लेकिन वाहनों का निजी और सार्वजनिक उपयोग कहीं महत्त्वपूर्ण है।

इसके समांतर पटाखों के पक्ष में तर्कों को कसौटी पर रखना चाहिए। पटाखे हर तरह से पर्यावरण के लिए नुकसानदायक ही नहीं, खतरनाक भी हैं। अरबों रुपए के आर्थिक नुकसान के साथ हर वर्ष पटाखों से काफी लोगों की मौत हो जाती है। पटाखा फैक्टरियों में इन्हें बनाते समय और पटाखों का इस्तेमाल करने के दौरान कई लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं।

कुछ समय पहले देश की सर्वोच्च अदालत ने पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई की थी। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने दिल्ली-एनसीआर में ही पटाखों पर प्रतिबंध लगाने पर सवाल किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ही क्यों पटाखों पर प्रतिबंध होना चाहिए?

देश में जहां-जहां प्रदूषण की विकट समस्या है, उन शहरों और कस्बे में भी पटाखों पर प्रतिबंध क्यों नहीं होना चाहिए? जितना अधिकार दिल्ली के लोगों को साफ हवा में सांस लेने का है, उतना ही अधिकार उन सभी शहरों के लोगों का भी है, जहां प्रदूषण की समस्या बेहद चिंताजनक बनी रहती है।

अदालत के मुताबिक, प्रदूषण के संबंध में जो भी नीति हो, वह अखिल भारतीय स्तर पर एक जैसी होनी चाहिए।

इसके पहले पांच मई 2025 को सर्वोच्च अदालत ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सरकारों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया था और चेतावनी दी थी कि इसका पालन न करने पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी कई बार सर्वोच्च न्यायालय इस बाबत आदेश जारी कर चुका है। इन आदेशों का कितना पालन हुआ, यह सभी जानते हैं। हालांकि हरित पटाखों को लेकर कुछ हलकों में सकारात्मक धारणा रही है।

पटाखों के इस्तेमाल से अनिद्रा, तनाव, कान के पर्दे फटने और बीमार लोगों के लिए बेहद गंभीर हालात पैदा करने जैसी तमाम परेशानियां सामने आती हैं। इनसे हुई गंदगी, उसके रसायन और बिखरे हुए कागज किसी मुसीबत से कम नहीं होते। मगर विडंबना यह है कि आम आदमी सभी तरह के आदेशों, सरकारी प्रतिबंधों और परामर्श को हमेशा अनदेखा करता आया है। पटाखों पर तमाम पाबंदियों के बावजूद बड़े पैमाने पर पटाखे और सुतली बमों का इस्तेमाल होता है। दीपावली और उसके आसपास एक-दो दिन तक रास्ते में चलना भी मुश्किल हो जाता है।

कई दिनों तक विषैले धुएं का गुबार वातावरण में छाया रहता है, जिससे सांस लेने में दिक्कत होती है। पटाखों की ऐसी लड़ी जलाई जाती है कि सड़क पर यह लोगों के लिए जानलेवा बन जाती है। सवाल यह है कि ये सब किसकी खुशी के लिए होता है? इस त्योहार पर होड़ देखी जा सकती है कि देखते हैं कौन कितना आगे है पटाखे फोड़ने में। खबरों के मुताबिक, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई परिवार एक हजार से लेकर एक लाख रुपए तक के पटाखे कुछ ही घंटों में जला देते हैं। सवाल है कि यह त्योहार मनाने का तरीका है या प्रदूषण फैलाने की प्रतियोगिता?

इस पर विचार किया जाना चाहिए कि पटाखों का इस्तेमाल कई जटिल समस्याओं को भी जन्म देता है। पटाखों को जलाने पर इसकी तेज आवाज और इससे निकलने वाले विषैले कण-धुआं बेहद घातक हैं। ये पटाखे चलाने वालों में ही समस्या नहीं पैदा करते, बल्कि वहां मौजूद दूसरे लोग भी उससे प्रभावित होते हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक पटाखे जलाने से सल्फर डाईआक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड के अलावा लेड सहित अन्य रसायन वातावरण में फैल कर कई तरह की गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं। ये सभी बेहद जहरीले होते हैं। दिल, दिमाग, यकृत, गुर्दे, खून और हड्डियों तक गंभीर रूप से असर करते हैं। इसके अलावा ध्वनि प्रदूषण के साथ मिट्टी और जल प्रदूषण भी होता है।

अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़े में रोग जैसी बीमारियों की एक वजह पटाखे भी बन गए हैं। हृदयाघात का खतरा और दिल की धड़कन अनियमित होना सामान्य बात है। श्वसन से ताल्लुक रखने वाली समस्याओं और त्वचा संबंधी बीमारियों का जोखिम भी पटाखों से बढ़ जाता है। एक शोध के मुताबिक पटाखे सार्वजनिक जल आपूर्ति को भी जहरीला बना सकते हैं। उस पानी का इस्तेमाल करने वाली आबादी कई तरह की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का शिकार हो सकती है।

अनुसंधान में इसका वनस्पतियों पर भी बुरे असर का पता लगा है। बताया गया है कि वनस्पतियों के विकास और पैदावार दोनों पर असर पड़ता है। धूल तक जहरीली हो जाती है। पटाखे जमीन के नीचे के पानी को भी प्रदूषित कर सकते हैं। यही नहीं थाइराइड की बीमारी भी पैदा कर सकते हैं। श्वास नली में विषैले तत्त्व जाने से इसके क्षतिग्रस्त होने का खतरा भी होता है।

पटाखों से वायु, ध्वनि, भूमि और जल प्रदूषण होता है। यानी ये पूरे पर्यावरण को प्रभावित करते हैं। पटाखों ने आर्थिक नुकसान के साथ शारीरिक तथा मानसिक रोग ही पैदा नहीं किए, बल्कि कई तरह के सवाल भी खड़े किए हैं। इसके अलावा सांस्कृतिक परंपराओं और विधानों पर भी सवालिया निशान लगते हैं। जिन पटाखों को खुशी मनाने के नाम पर जलाया जाता है, वे हिंसक और शोर-गुल पसंद संस्कृतियों का कभी हिस्सा हुआ करते थे। भारत में मध्यकाल में इनका प्रचार-प्रसार ज्यादा हुआ और देखते-ही-देखते ये भारतीय समाज के हर वर्ग में खुशी का इजहार करने का जरिया बन गए। हमारे यहां किसी भी उत्सव और पर्व-त्योहार का हिस्सा ये नहीं होते थे, क्योंकि इनका यहां निर्माण ही नहीं होता था। शांति, प्रेम, सद्भाव और सहिष्णुता वाली भारतीय संस्कृति में खुशी प्रकट करने के लिए नृत्य, संगीत समारोह, आम की पत्तियों से बंदनवार सजाने, चित्रकारी करने और अनेक प्रतीकों का प्रयोग किए जाने की परंपरा रही है।

पटाखों पर सरकारी प्रतिबंध और सर्वोच्च अदालत के आदेश का सभी राज्य की पुलिस कितना पालन करवा पाएगी, यह तो दीपावली और दूसरे त्योहारों पर ही पता चलेगा, लेकिन लोगों को जागरूक करने का कार्य बड़े□ पैमाने पर किया जाना चाहिए। जिससे आने वाले समय में पटाखे को लेकर किसी तरह की प्रदूषण संबंधी समस्याएं न पैदा हों। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में पटाखों पर प्रतिबंध महज दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि हर उस शहर में भी लगाया जाएगा, जहां प्रदूषण की समस्या हमेशा बनी रहती है।

धूप से डरें मत, छांव में रुकें मत - मेहनत और आराम के सही संतुलन से आगे बढ़ने का यही है असली मंत्र

अक्सर हम चुनौतियों से बचने के लिए आसान रास्ते ढूंढते हैं। मगर यही आसान रास्ता हमें सीमित कर देता है। अगर हम लगातार आराम और स्थिरता में ही रहेंगे, तो हमारी क्षमताओं का विकास नहीं होगा। संघर्ष और कठिनाइयां हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमें क्या सीखना है और हमें किस दिशा में बढ़ना है।

यात्रा में धूप से कठिनाई नहीं होती, बल्कि छाया से घबराना चाहिए, क्योंकि छाया में पथिक सो जाता है।' यह पंक्ति केवल शब्द नहीं हैं बल्कि जीवन में सफलता पाने के लिए मार्गदर्शन भी हैं। धूप और छाया केवल प्राकृतिक घटनाएं नहीं हैं, वे हमारे जीवन के संघर्ष और विश्राम के प्रतीक हैं। जीवन में इन दोनों का संतुलन समझने वाला व्यक्ति ही वास्तविक सफलता और संतोष प्राप्त कर सकता है।

धूप का अनुभव जीवन की चुनौतियों, कठिनाइयों और बाधाओं के रूप में होता है। यह धूप कभी तेज होती है, कभी अप्रत्याशित। पर यह हमारी सहनशीलता, धैर्य और आत्मविश्वास की परीक्षा लेती है। एक पथिक अगर धूप में चलता है, तो उसे जलन और थकान होती है, पर उसकी मंजिल की ओर बढ़ने की प्रेरणा और तेज हो जाती है। इसी तरह, जीवन में आने वाले संघर्ष हमें हमारी छिपी हुई क्षमताओं से परिचित कराते हैं।

संघर्ष केवल कठिनाई नहीं है। यह हमारी ऊर्जा का स्तंभ भी है। उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति नौकरी की तलाश में कई बार असफल होता है, तो वह निराश हो सकता है। पर यही असफलताएं उसे अपनी रणनीतियों को सुधारने, अपने कौशल को बढ़ाने और धैर्य सीखने का अवसर देती हैं। संघर्ष हमें आत्मनिर्भर बनाता है और हमें यह सिखाता है कि असली सफलता धैर्य और प्रयास के माध्यम से ही प्राप्त होती है।

धूप हमें यह भी याद दिलाती है कि जीवन में स्थिरता हमेशा सुखद नहीं होती। अक्सर हम चुनौतियों से बचने के लिए आसान रास्ते ढूंढ़ते हैं। मगर यही आसान रास्ता हमें सीमित कर देता है। अगर हम लगातार आराम और स्थिरता में ही रहेंगे, तो हमारी क्षमताओं का विकास नहीं होगा। संघर्ष और कठिनाइयां हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमें क्या सीखना है और हमें किस दिशा में बढ़ना है। वहीं छाया का महत्त्व भी कम नहीं है।

जीवन में विश्राम और ठहराव आवश्यक हैं। यह हमें मानसिक और शारीरिक ऊर्जा फिर प्राप्त करने का समय देती है। पथिक की तरह, जो धूप की तीव्रता से थककर छाया में विश्राम करता है। हमें भी समय-समय पर ठहरकर अपने मन और शरीर को तरोताजा करना चाहिए, लेकिन ध्यान रखने की जरूरत है कि छाया में अधिक समय बिताना आलस्य और निराशा का कारण बन सकता है। अत्यधिक आराम हमारे उद्देश्य से भटका सकता है और आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है।

संतुलन बनाए रखना जीवन की कला है। संघर्ष और विश्राम के बीच सही संतुलन बनाने वाला व्यक्ति ही सच्ची सफलता पा सकता है। अत्यधिक संघर्ष मानसिक थकान पैदा कर सकता है, वहीं अत्यधिक विश्राम प्रगति को धीमा कर सकता है। उदाहरण के लिए, एक किसान को दिन में खेत की मेहनत करनी होती है और शाम को विश्राम। अगर वह केवल काम या केवल आराम करे तो फसल सही तरीके से नहीं उग पाएगी। जीवन में भी यही सिद्धांत लागू होता है।

धूप और छाया के बीच संतुलन का मतलब यह है कि हम संघर्ष को नकारात्मक दृष्टि से न देखें, बल्कि उसे सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानें। मानसिक दृष्टि से भी यह महत्त्वपूर्ण है। मनोवैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि कठिनाइयों का सामना करने वाले व्यक्ति में मानसिक दृढ़ता और समस्या सुलझाने की क्षमता अधिक विकसित होती है।

वहीं केवल आराम और स्थिरता में रहने वाले व्यक्ति में आलस्य और आत्मविश्वास की कमी देखी जाती है। जीवन में संघर्ष और विश्राम का संतुलन हमें यह भी सिखाता है कि किस समय प्रयास करना है और कब ठहराव लेना है। जैसे एक विद्यार्थी लगातार पढ़ाई करता है, पर बीच-बीच में विश्राम नहीं करता तो उसकी सीखने की क्षमता प्रभावित होती है। वहीं अगर वह केवल आराम करता है और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देता, तो उसकी सफलता अधूरी रहती है। इसी तरह, जीवन में धूप और छाया दोनों का उचित प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है।

मसलन, किसी खिलाड़ी की सफलता केवल अभ्यास और मेहनत पर निर्भर नहीं होती, बल्कि पर्याप्त विश्राम और क्षमता को फिर से हासिल करने पर भी निर्भर करती है। अगर वह लगातार प्रशिक्षण लेता रहे और अपने शरीर को आराम न दे, तो उसकी क्षमता प्रभावित होगी। अगर वह केवल आराम करता रहे और अभ्यास नहीं करेगा तो वह कभी खेल में उन्नति नहीं कर पाएगा। जीवन में भी यही सिद्धांत लागू होता है। संतुलन बनाए रखना सफलता की कुंजी है।

संघर्ष हमें जीवन की असली ताकत सिखाता है, जबकि विश्राम हमें ऊर्जा और मानसिक स्पष्टता प्रदान करता है। दोनों का सही प्रबंधन ही व्यक्ति को स्थिर, सशक्त और सफल बनाता है। मसलन, एक लेखक को नए विचारों के साथ लगातार लिखने की आवश्यकता होती है। अगर वह बिना विश्राम के लेखन करता रहे तो उसकी रचनात्मकता कम हो जाएगी।

इस तरह धूप और छाया दोनों हमारे शिक्षक हैं। धूप हमें सिखाती है संघर्षों से लड़ना और आगे बढ़ना। छाया हमें सिखाती है, विश्राम करना और फिर से ऊर्जा प्राप्त करना। इसलिए यह आवश्यक है कि हम धूप का स्वागत करें। उसकी गर्मी और कठिनाइयों से घबराएं नहीं, बल्कि उन्हें अपनी शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ाने का साधन मानें। वहीं छाया को केवल ऊर्जा फिर से प्राप्ति के लिए अपनाएं। उसमें डूबने से बचना चाहिए। जीवन में संतुलन बनाए रखने का यही मंत्र है।

संघर्ष और विश्राम के इस संतुलन को अपनाने वाला व्यक्ति न केवल मानसिक और भावनात्मक रूप से सुदृढ़ बनता है, बल्कि वह अपने जीवन के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से समझ पाता है। उसकी यात्रा न केवल मंजिल तक पहुंचती है, बल्कि रास्ते में उसे जीवन के अनुभवों का भी सटीक ज्ञान मिलता है। यह संतुलन जीवन को सार्थक बनाता है और हमें यह समझने में मदद करता है।

मोदी ने माहौल ही बदल डाला, अब ब्रिटेन जैसी आर्थिक ताकतें भारत से मदद माँग रही हैं

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर का दो दिवसीय भारत दौरा ऐसे समय पर शुरू हुआ है जब वैश्विक आर्थिक और सामरिक संतुलन नई परिभाषाएँ गढ़ रहा है। मुंबई पहुँचे स्टार्मर अपने साथ 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लेकर आए हैं जिनमें प्रमुख उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह यात्रा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि व्यापार और निवेश को नई दिशा देने का प्रयास भी है। यह दौरा उस व्यापक आर्थिक परिदृश्य में घटित हो रहा है जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ फिर से संरक्षणवाद की ओर लौटती प्रतीत हो रही हैं। भारत पर बढ़ते अमेरिकी टैरिफ, तकनीकी निर्यात पर नियंत्रण और वीज़ा शुल्क में वृद्धि जैसी नीतियाँ भारतीय निर्यात और सेवा क्षेत्र पर दबाव बना रही हैं। ऐसे में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत के लिए एक संभावित राहत संकेत के रूप में देखी जा सकती है– विशेषतः तब, जब भारत-ब्रिटेन के बीच हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता अब नीति के धरातल से क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई में संपन्न व्यापार समझौता 'विज़न 2035' की परिकल्पना पर आधारित है, जो अगले दशक में शिक्षा, प्रौद्योगिकी, जलवायु, रक्षा और जनसंपर्क के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने का लक्ष्य रखता है। इस समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन ने अपने बाज़ार में 99 प्रतिशत उत्पादों पर टैरिफ समाप्त करने की घोषणा की है। हालांकि इसका प्रत्यक्ष लाभ भारतीय निर्यात के लगभग 45 प्रतिशत हिस्से यानि कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, वाहन आदि तक सीमित रहेगा, फिर भी यह भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है।

ब्रिटेन के लिए भी यह सौदा महत्त्वपूर्ण है। विशेषकर स्कॉटलैंड के व्हिस्की उद्योग के लिए टैरिफ 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत और अगले दस वर्षों में 40 प्रतिशत तक लाना एक ऐतिहासिक कदम है। यह कदम ब्रिटेन की घरेलू अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद वैश्विक व्यापार में नई साझेदारियों की खोज की उसकी रणनीति का हिस्सा है। हालाँकि यह समझौता अभी ब्रिटिश संसद की प्रक्रिया में है और 2026 की शुरुआत से पहले लागू नहीं हो पाएगा, फिर भी यह दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में स्थायित्व और दीर्घकालिकता का संकेत देता है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार लगभग 59 अरब डॉलर का है, और अनुमान है कि अगले पाँच वर्षों में यह दुगना हो सकता है।

देखा जाये तो अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों– विशेषकर इस्पात, औद्योगिक पुर्जों और औषधीय निर्यात पर बढ़ाए गए टैरिफ से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई है। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत को न केवल एक वैकल्पिक बाज़ार प्रदान करेगा, बल्कि यूरोप में अपनी उपस्थिति को सशक्त करने का अवसर भी देगा। इसके अतिरिक्त, ब्रिटेन की वित्तीय संस्थाओं– जैसे स्टैंडर्ड चार्टर्ड, बार्कलेज, एचएसबीसी और रोल्स रॉयस जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों का इस यात्रा में शामिल होना इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन भारत में दीर्घकालिक निवेश को लेकर गंभीर है। मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कीयर स्टार्मर की संयुक्त उपस्थिति दोनों देशों की डिजिटल और तकनीकी साझेदारी को नया आयाम देगी।

हम आपको याद दिला दें कि भारत-ब्रिटेन संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में एक संवेदनशील मोड़ आया था, विशेषकर जब ब्रिटिश लेबर पार्टी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत विरोधी रुख अपनाया था। मगर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने उस रुख को संशोधित करते हुए भारत के साथ 'विश्वसनीय साझेदारी' पर बल दिया है। 'विज़न 2035' इसी राजनीतिक पुनर्संतुलन का परिणाम है। सुरक्षा दृष्टि से भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा महत्वपूर्ण है। लंदन में सक्रिय खालिस्तानी समूहों से भारत की सुरक्षा एजेंसियों को जो चुनौतियाँ मिलती रही हैं, उन्हें लेकर दोनों देशों के बीच आपसी समझ बढ़ाने की आवश्यकता है। ब्रिटेन की नई टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव में भारत की भागीदारी साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे दक्षिण एशिया में एक संतुलित तकनीकी शक्ति-संतुलन बनेगा।

हालाँकि स्टार्मर की यह यात्रा व्यापारिक दृष्टि से उत्साहजनक है, परंतु आव्रजन नीति को लेकर ब्रिटिश रुख अब भी कड़ा है। स्टार्मर ने स्पष्ट किया है कि मुक्त व्यापार समझौते के बावजूद भारतीय कुशल पेशेवरों के लिए नए वीज़ा अवसर नहीं खोले जाएँगे। यह स्थिति उन भारतीय युवाओं के लिए निराशाजनक है जो ब्रिटेन के आईटी, स्वास्थ्य या वित्तीय क्षेत्र में अवसर तलाश रहे हैं। दरअसल, ब्रिटेन का तर्क है कि वह 'व्यवसाय-से-व्यवसाय' निवेश पर अधिक ध्यान देना चाहता है, न कि आव्रजन विस्तार पर। किंतु यह भी सत्य है कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था वर्तमान में श्रमिकों की कमी से जूझ रही है और कई उद्योगपतियों ने चेताया है कि अत्यधिक प्रतिबंधात्मक नीति से लंदन का टैलेंट पूल कमजोर पड़ सकता है। यदि ब्रिटेन वास्तव में वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित करना चाहता है, तो उसे संतुलित और पूर्वानुमेय आव्रजन नीति अपनानी होगी।

साथ ही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में भी नये समीकरण गढ़ सकती है। पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों के साथ ब्रिटेन के संबंध भारत के माध्यम से परोक्ष रूप से प्रभावित होते हैं। यदि भारत-ब्रिटेन साझेदारी स्थिर और सशक्त होती है, तो ब्रिटेन की दक्षिण एशिया नीति का केंद्र भारत बन जाएगा। इससे क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने की संभावना भी बढ़ेगी। साथ ही ब्रिटेन का यह झुकाव भारत की 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकता है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक सहयोग को भी बल मिलेगा।

देखा जाये तो कीयर स्टार्मर की भारत यात्रा भारत-ब्रिटेन संबंधों में एक नया अध्याय खोल सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह यात्रा प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक है, जहाँ आर्थिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, तीनों का संगम दिखाई देता है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों के बीच ब्रिटेन के साथ यह निकटता भारत को पश्चिमी व्यापारिक ढांचे में एक संतुलित शक्ति के रूप में स्थापित कर सकती है। हालांकि आव्रजन नीति और सुरक्षा चिंताएँ अभी भी अवरोध की तरह हैं, फिर भी यह यात्रा एक संदेश देती है कि विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य में भारत अब केवल साझेदार नहीं, बल्कि एक निर्णायक केंद्रबिंदु बन चुका है। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि ब्रिटेन की घरेलू अर्थव्यवस्था वर्तमान में धीमी विकास दर, उच्च राष्ट्रीय ऋण और उत्पादकता में कमी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में भारतीय बाजार में अवसर तलाशना ब्रिटेन के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बन गया है। भारतीय उपभोक्ता बाजार का आकार, निर्यात की विविधता और तकनीकी नवाचार की दिशा ब्रिटिश निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने व्यापार और निवेश को प्राथमिकता दी है और 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे को केवल औपचारिक नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व वाला मिशन बनाया है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर की जुगलबंदी केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किया जा रहा है। वित्त, तकनीक, और वैश्विक व्यापार के मंचों पर दोनों नेताओं की रणनीतिक साझेदारी नए संदेश देती है कि भारत और ब्रिटेन मिलकर वैश्विक आर्थिक और सामरिक परिदृश्य को नया आकार दे सकते हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट जैसे मंचों पर उनकी साझा उपस्थिति और उच्चस्तरीय वार्तालाप यह संकेत देते हैं कि यह गठबंधन दुनिया के निवेशकों, तकनीकी नवप्रवर्तकों और व्यापारिक समुदाय के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

बहरहाल, वैश्विक राजनीति और आर्थिक शक्तियों का केंद्र धीरे-धीरे बदल रहा है। भारत के नेता कभी निवेश और व्यापार की संभावनाओं को तलाशने विदेश जाते थे मगर मोदी युग में भारत एक महाशक्ति के रूप में खड़ा है, जहां ब्रिटेन जैसी परंपरागत आर्थिक ताकतें संभावनाओं की तलाश में बड़े-बड़े प्रतिनिधिमंडल लेकर आ रही हैं।

'जज़्बातों ने खामोशी से बात की', अखिलेश-आजम मुलाकात : क्या सुलझ गए सपा के अंदरूनी मतभेद?

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान से रामपुर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। पिछले महीने के अंत में खान के जेल से रिहा होने के बाद यह उनकी पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। दो घंटे से ज़्यादा समय तक चली इस मुलाकात को सपा की पारंपरिक मुस्लिम-यादव एकता को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिसने कभी उत्तर प्रदेश में सपा के राजनीतिक प्रभुत्व को मज़बूत किया था।

इस मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि मैं उनसे (आज़म खान से) मिलने आया हूँ...आज़म खान साहब बहुत वरिष्ठ नेता हैं। उनका गहरा प्रभाव हमेशा हम पर रहा है। यह एक बड़ी लड़ाई है, और हम सब मिलकर इसे लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 2027 में हमारी सरकार बनने जा रही है, और पीडीए की आवाज़ मज़बूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आजम खान पार्टी की धड़कन, पुराने लोगों की बात ही अलग है। अखिलेश ने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि क्या कहें भला उस मुलाक़ात की दास्तान, जहाँ बस जज़्बातों ने खामोशी से बात की।

अखिलेश का यह दौरा सपा नेतृत्व के साथ आज़म खान के तनावपूर्ण संबंधों को लेकर महीनों से चल रही अटकलों के बाद हो रहा है। पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक और सबसे प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं में से एक, खान ने कई आपराधिक मामलों में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद खुद को सक्रिय राजनीति से दूर कर लिया था। उनके समर्थकों ने अक्सर इस बात पर नाराजगी जताई थी कि उनकी कानूनी परेशानियों के दौरान पार्टी ने उन्हें समर्थन नहीं दिया।

इसलिए, बुधवार की बैठक दिखावे से कहीं आगे जाती है। यह इस बात का संकेत है कि अखिलेश 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले आंतरिक मतभेदों को पाटने और वरिष्ठ नेताओं को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि आज़म खान ने इस बैठक के लिए स्पष्ट शर्तें तय की थीं–वह केवल अखिलेश से मिलेंगे, अन्य सपा नेताओं से नहीं–यह इस बात का संकेत है कि विश्वास तो फिर से बन रहा है, लेकिन यह अभी भी कमज़ोर है।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान से रामपुर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। पिछले महीने के अंत में खान के जेल से रिहा होने के बाद यह उनकी पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। दो घंटे से ज़्यादा समय तक चली इस मुलाकात को सपा की पारंपरिक मुस्लिम-यादव एकता को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिसने कभी उत्तर प्रदेश में सपा के राजनीतिक प्रभुत्व को मज़बूत किया था। इस मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि मैं उनसे (आज़म खान से) मिलने आया हूँ...आज़म खान साहब बहुत वरिष्ठ नेता हैं। उनका गहरा प्रभाव हमेशा हम पर रहा है। यह एक बड़ी लड़ाई है, और हम सब मिलकर इसे लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 2027 में हमारी सरकार बनने जा रही है, और पीडीए की आवाज़ मज़बूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आजम खान पार्टी की धड़कन, पुराने लोगों की बात ही अलग है। अखिलेश ने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि क्या कहें भला उस मुलाक़ात की दास्तान, जहाँ बस जज़्बातों ने खामोशी से बात की।

अखिलेश का यह दौरा सपा नेतृत्व के साथ आज़म खान के तनावपूर्ण संबंधों को लेकर महीनों से चल रही अटकलों के बाद हो रहा है। पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक और सबसे प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं में से एक, खान ने कई आपराधिक मामलों में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद खुद को सक्रिय राजनीति से दूर कर लिया था। उनके समर्थकों ने अक्सर इस बात पर नाराजगी जताई थी कि उनकी कानूनी परेशानियों के दौरान पार्टी ने उन्हें समर्थन नहीं दिया।

इसलिए, बुधवार की बैठक दिखावे से कहीं आगे जाती है। यह इस बात का संकेत है कि अखिलेश 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले आंतरिक मतभेदों को पाटने और वरिष्ठ नेताओं को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि आज़म खान ने इस बैठक के लिए स्पष्ट शर्तें तय की थीं–वह केवल अखिलेश से मिलेंगे, अन्य सपा नेताओं से नहीं–यह इस बात का संकेत है कि विश्वास तो फिर से बन रहा है, लेकिन यह अभी भी कमज़ोर है।

आजम के बेल पर बोले- भाजपा मंत्री नितिन अग्रवाल

आजम खान तीर्थ यात्रा से नहीं आए हैं, जेल से बाहर आए हैं ये एक न्यायिक प्रक्रिया है

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार के मंत्री नितिन अग्रवाल मंगलवार को गोंडा पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया। इस मौके पर जीएसटी दरों को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और भाजपा सरकार की नीतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में नितिन अग्रवाल ने आज़म खान से जुड़े सवालों पर कहा कि 'आज़म खान कोई तीर्थयात्रा से नहीं आए हैं, वह न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल गए थे और अब बेल पर बाहर आए हैं। जब वे जेल में थे, तो आरोपी थे और अदालत ने उन्हें सजा सुनाई थी। अब किसी का उनसे मिलना या न मिलना व्यक्तिगत मामला है।'

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की आज़म खान से मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि 'अखिलेश यादव उनकी पार्टी के नेता हैं, अगर वे मिलते हैं तो यह उनका आंतरिक मामला है। इस पर इतना राजनीतिक वजन देना ठीक नहीं है। भाजपा में आज़म खान के शामिल होने की अटकलों पर मंत्री ने कहा, 'हमारी पार्टी में कौन आएगा या जाएगा, यह निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व करता है। कोई भी व्यक्ति इस पर बयान देता है तो उसका कोई मतलब नहीं है।'

बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर नितिन अग्रवाल ने कहा कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है और लालू प्रसाद यादव के 'जंगलराज' को खत्म करने का श्रेय भाजपा और उसके सहयोगियों को जाता है। उन्होंने कहा, 'हम उसी काम को आधार बनाकर जनता के बीच जा रहे हैं और एनडीए को दोबारा जीताने का काम करेंगे।'

संभल में फिर गरजा बाबा का बुलडोजर ओवैस कोल्ड स्टोर का अवैध निर्माण ढहाया

संभल। शहर के ओवैस कोल्ड स्टोर में हुए अवैध निर्माण पर प्रशासन ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम विकास चंद्र की सख्त निगरानी में प्रशासन की टीम ने बुलडोज़र चलवाकर अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया। बताया गया कि यह निर्माण मोहम्मद जुबैर पुत्र हाजी कमर हसन द्वारा किया गया था, जो नक्शे के विपरीत था। प्रशासन की ओर से पहले ही जुबैर को अवैध निर्माण स्वयं हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया था। उन्हें निर्धारित समय दिया गया, लेकिन समयसीमा के भीतर निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद 11 अक्टूबर 2025 से प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी।

एसडीएम विकास चंद्र ने बताया, 'अवैध निर्माण जो नक्शे के विपरीत कराया गया है, उसे खाली कराया जा रहा है। अवर अभियंता विनियमित क्षेत्र की 18 जुलाई 2025 की रिपोर्ट और 23 सितंबर 2025 के आदेश के क्रम में यह कार्रवाई की जा रही है। नोटिस के बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया, इसलिए आज अवैध हिस्से को ध्वस्त किया गया।' कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। पूरी कार्रवाई शांति और सख्ती के साथ पूरी की गई। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नियमों के खिलाफ कोई भी निर्माण बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, यह कार्रवाई अन्य अवैध निर्माणों के लिए चेतावनी और उदाहरण है। एसडीएम ने कहा कि जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पवन सिंह बोले- 4 साल से केस, अब कैसा 'स्नेह'! पत्नी के प्यार को बताया चुनाव से पहले की चाल

लखनऊ **(एजेंसी)**। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह ने बुधवार को अपनी और अपनी पत्नी ज्योति सिंह से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा मामला पिछले 3-4 सालों से अदालत में चल रहा है...आपने (पत्नी ज्योति सिंह) आज ही स्नेह क्यों दिखाया?...यह कैसा स्नेह है? हम इसे राजनीति ही कहेंगे कि आप मुझे परेशान करना चाहती हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी अब उन्हें परेशान करने के लिए स्नेह दिखा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी की हरकतें राजनीति से प्रेरित हैं और उन पर आगामी बिहार चुनाव से पहले भाजपा नेताओं अमित शाह, विनोद तावड़े और जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद राजनीतिक हंगामा खड़ा करने का आरोप लगाया।

भोजपुरी सुपरस्टार ने कहा, 'बिहार विधानसभा के भाजपा चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े के निर्देश पर, हम बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए को मज़बूत करेंगे।' पवन सिंह ने बिहार चुनाव में अपनी भागीदारी का ज़िक्र करते हुए कहा कि एनडीए के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें पूरी ताकत से पार्टी में शामिल होने के लिए कहा है। हालाँकि, सीट आवंटन को लेकर अभी कोई फ़ैसला नहीं हुआ है और उन्हें जल्द ही इसकी घोषणा की उम्मीद है।

पवन सिंह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे, लेकिन 2024 में उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ़ काराकाट लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के कारण निष्कासित कर दिया था। 2024 के लोकसभा चुनावों में, पवन सिंह ने काराकाट सीट से स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, जिसके कारण उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। बिहार में मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले मौजूदा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के बीच है। 243 सदस्यों वाली वर्तमान बिहार विधानसभा में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 131 सदस्य हैं, जिसमें भाजपा के 80 विधायक, जद (यू) के 45, हम (एस) के 4 और 2 निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन है। दंपति का तलाक का मामला पिछले 3-4 सालों से अदालत में चल रहा है, पवन सिंह ने कहा है कि हाल ही में प्यार का प्रदर्शन ध्यान आकर्षित करने की एक चाल है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म के फीचर्स पर सरकार का मसौदा जारी, भारतीय सांकेतिक भाषा होगी अनिवार्य

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए एक नया मसौदा दिशानिर्देश जारी किया है। इसका मकसद सुनने और देखने में अक्षम लोगों की डिजिटल कंटेंट तक आसान पहुंच प्रदान करना है। इसके मुताबिक, नई प्राग्रामिंग में भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) में व्याख्या, कैप्शनिंग या ऑडियो विरण जैसा कम से कम एक एक्सेसिबिलिटी फीचर देना अनिवार्य होगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने इन दिशानिर्देशों पर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं, जिन्हें 22 अक्तूबर तक जमा किया जा सकता है। एक बार जब ये दिशानिर्देश अधिसूचित हो जाएंगे, तो ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म्स इन्हें दो चरणों में दो साल की अवधि में लागू करेंगे। पहले चरण में, दिशानिर्देशों के अधिसूचना के छह महीने बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म्स सभी नई सामग्री (कंटेंट) को क्लोज्ड या ओपन कैप्शनिंग, ऑडियो डिस्क्रिप्शन या भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) व्याख्या कम से कम एक एक्सेसिबिलिटी फीचर के साथ रिलीज करेंगे। दिशानिर्देशों में यह भी अनिवार्य किया गया है कि प्लेटफॉर्म्स एक्सेसिबिलिटी संकेतक दिखाएंगे और सुनिश्चित करें कि एक्सेसिबिलिटी फीचर्स उनके यूजर इंटरफेस में पूरी तरह से शामिल हों।

दूसरे चरण में प्रकाशकों को प्रोत्साहित किया गया है कि वे अपनी पूरी कंटेंट लाइब्रेरी को धीरे-धीरे एक्सेसिबल बनाएं, जिसमें दिशानिर्देशों के प्रकाशन के 12 महीनों के भीतर कम से कम 30 फीसदी, 18 महीनों के भीतर 60 फीसदी और 24 महीनों के भीतर पूरी तरह से एक्सेसिबिलिटी हासिल करनी होगी।

मसौदे में कुछ श्रेणियों को इन अनिवार्यताओं से मुक्त रखा गया है। इनमें लाइव और डिफर्ड-लाइव कंटेंट, केवल ऑडियो कंटेंट जैसे कि म्यूजिक और पॉडकास्ट और 10 मिनट या उससे कम के शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट शामिल हैं।

मंत्रालय अनुपालन की निगरानी के लिए एक निगरानी समिति बनाएगा, जिसका नेतृत्व एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे। यह समिति त्रैमासिक बैठक करेगी, प्रगति की समीक्षा करेगी, शिकायतों को संबोधित करेगी और ओटीटी पारिस्थितिकी तंत्र में लगातार अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला, कहा- तकनीकी खामी के आधार पर नहीं रोक सकते रेल दुर्घटना मुआवजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रेल दुर्घटना से संबंधित मुआवजा मामले में अत्यधिक तकनीकी रवैया अपनाने से बचने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि महज तकनीकी गड़बड़ी या खामी के आधार पर मुआवजे के वैध दावे को खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और रेलवे दावा न्यायाधिकरण, भोपाल के एक आदेश को पलटते हुए यह अपने आदेश में यह बात कही। न्यायाधिकरण और हाईकोर्ट ने एक विधवा और उसके पुत्र के मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया था। विधवा के पति की मौत एक रेल दुर्घटना में हो गई थी।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा, रेलवे कानून की धारा 124ए के तहत तय प्रक्रिया, आपराधिक कानून से संबंधित प्रक्रिया नहीं है जो बिना संदेह के सबूत की मांग करती हो। कल्याणकारी कानून प्रबलता और संभावनाओं के सिद्धांत पर काम करते हैं।

रेलवे कानून की धारा 124ए दुर्घटनाओं के मुआवजे से संबंधित है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि एक बार जब वैध टिकट रखने या जारी होने तथा ट्रेन से दुर्घटनावश गिरने के आधारभूत तथ्य विश्वसनीय सामग्री के माध्यम से स्थापित हो जाते हैं, तो वास्तविक यात्रा की वैधानिक धारणा दावेदार के पक्ष में लागू होनी चाहिए।

पीठ ने कहा, केवल तकनीकी अनियमितताओं या प्रक्रिया में खामियों के कारण रेलवे अधिनियम-1989, विशेष रूप से अध्याय 13, जो दुर्घटना के कारण यात्री की मृत्यु और चोट के लिए रेलवे प्रशासन के दायित्व से संबंधित है, जैसे कल्याणकारी अधिनियम के तहत किसी वैध दावे को नकारा नहीं जाना चाहिए। रेल दुर्घटनाओं के पीड़ितों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य को विफल करने वाले अति-तकनीकी दृष्टिकोण से बचा जाना चाहिए।

हादसे की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची भाजपा, सीबीआई जांच की मांग की

नई दिल्ली। तमिलनाडु के एक भाजपा नेता ने 27 सितंबर को अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय की रैली के दौरान करूर में हुई भगदड़ की घटना की सीबीआई जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

यह याचिका अधिवक्ता और भाजपा की राज्य कानूनी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष जीएस मणि ने दाखिल की है। उन्होंने तमिलनाडु पुलिस की जांच पर रोक लगाने और मामले की जांच को सीबीआई या सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा या पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सौंपने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना से जुड़ी अन्य याचिकाओं की सुनवाई 10 अक्टूबर के लिए तय की है।

अपनी याचिका में मणि ने अदालत से आग्रह किया है कि मामले की जांच तमिलनाडु पुलिस से सीबीआई या सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली एक स्वतंत्र विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपी जाए। याचिका के अनुसार, हाई कोर्ट ने कहा था कि बिना ठोस सबूतों के केवल आरोपों के आधार पर जांच को किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपना उचित नहीं होगा।

कोर्ट ने यह भी कहा था कि राज्य सरकार पहले ही मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा और अभिनेता विजय की पार्टी ने 20 लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा कर चुकी है। मणि ने अपनी याचिका में कहा है कि यह घटना केवल आपराधिक लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार) का गंभीर उल्लंघन भी है।

उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। जब राज्य मशीनरी ही संदेह के घेरे में हो, तब जांच को स्वतंत्र एजेंसी जैसे सीबीआई या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली एसआईटी को सौंपा जाना चाहिए।

'वोट चोरी' पर खुद घिरी कांग्रेस, भाजपा ने पहचान पत्र बांटने पर बोला हमला; राहुल गांधी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। 'वोट चोरी' का आरोप लगाने वाली कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी ने तगड़ा घेरा है। भाजपा ने बुधवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'विदेशी नायक और पाखंडी' करार दिया। इतना ही नहीं भाजपा ने तेलंगाना में एक कांग्रेस नेता की तरफ से 'वोट चोरी' के आरोप पर भी जवाब मांगा है।

दरअसल, तेलंगाना पुलिस ने सोमवार को कांग्रेस नेता वी. नवीन यादव के खिलाफ हैदराबाद के जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में कथित तौर पर मतदाता पहचान पत्र बांटने का मामला दर्ज किया है, जहां 11 नवंबर को उपचुनाव होने हैं।

पुलिस ने मंगलवार (07 अक्तूबर) को बताया कि एक चुनाव अधिकारी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कांग्रेस नेता यादव के खिलाफ मधुरा नगर पुलिस स्टेशन में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कथित घटना एक महीने पहले हुई थी और आगे की जांच जारी है।

अब इस पूरे मामले पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस पर उपचुनावों से पहले 'वोट चोरी' करने का आरोप लगाया और राहुल गांधी से जवाब मांगते हुए, उन्हें 'विदेशी नायक' और 'पाखंडी' करार दिया।

पूनावाला ने हैदराबाद में कांग्रेस के नेता के खिलाफ मामले को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। भाजपा प्रवक्ता का कथन कांग्रेस पर इशारा था, जिस पर विपक्षी दल भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ उनके 'वोट चोरी' के आरोप को लेकर देशभर में अभियान चल रही थी।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता यादव ने प्रदेश सरकार की मशीनरी का दुरुपयोग करके 'फर्जी मतदाता पहचान पत्र' जारी करवाए और आगामी उपचुनावों में 'वोट चुराने' के लिए मतदाताओं को ये पहचान पत्र दिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी यादव को आगामी उपचुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा जाएगा। उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह अपनी पार्टी के नेता की 'वोट चोरी' पर कुछ 'ज्ञान' देंगे।

पूनावाला ने कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए पूछा, 'राहुल गांधी, आप परमाणु बम और हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे थे, हालांकि वे खुद ही फट गए। अब आपके घर पर 'महा वोट चोरी' हो गई है। क्या आप कोई बम फोड़ने और इस वोट चोरी पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन देने की योजना बना रहे हैं?

भिवंडी में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गट का हल्लाबोल

किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी और मुआवजे की मांग को लेकर तहसील कार्यालय पर मोर्चा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गट) ने भिवंडी तहसील कार्यालय पर जोरदार आंदोलन किया। यह मोर्चा भिवंडी प्रांत कार्यालय से निकलकर तहसीलदार कार्यालय तक पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में शिवसैनिकों ने 'शेतकऱ्यांना न्याय द्या' और 'कर्जमाफी लागू करा' जैसे नारे लगाते हुए सरकार के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया। शिवसेना भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष मनोज गगे ने कहा कि आंदोलन शिवसेना पक्षप्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आदेशानुसार, विरोधी पक्षनेता अंबादास दानवे और सचिव विनायक राऊत की संकल्पना के तहत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की पीड़ा को अनदेखा कर रही है, जबकि लगातार बारिश

और बाढ़ से हजारों किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। आंदोलन के दौरान शिवसैनिकों ने प्रांत अधिकारी और तहसीलदार को एक विस्तृत निवेदन सौंपा, जिसमें किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी, प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये की नुकसान भरपाई तथा बाढ़ में बह गए घरों के पुनर्निर्माण और समग्र सहायता की मांग की गई। शिवसेना नेताओं ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि सरकार ने किसानों की तत्काल मदद नहीं की तो शिवसेना सड़कों पर उतरेगी और आज का आंदोलन उसी संकल्प का हिस्सा है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा घोषित राहत केवल दिखावे की है, जबकि जमीनी स्तर पर किसानों को कोई वास्तविक मदद नहीं मिल रही। इस आंदोलन में जिला संपर्क प्रमुख मनोज गगे, उपनेते विश्वास थले, जिला प्रमुख कुंदन पाटिल, महिला लोकसभा संपर्क प्रमुख आशा रसाल, तालुका प्रमुख करसन ठाकरे, शहर प्रमुख प्रसाद पाटील, महानगर प्रमुख अरुण पाटील, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, वैशालीताई मेस्त्री, नाना झलके, जय भगत, नितेश दांडेकर और प्रकाश भोईर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरे आंदोलन के दौरान शिवसैनिकों ने अनुशासन बनाए रखा, लेकिन अपनी मांगों को लेकर वे पूरी दृढ़ता से डटे रहे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गट) ने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों की पूरी कर्जमाफी और वास्तविक मुआवजा नहीं दिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

फीस न भरने पर छात्र को जमीन पर बैठाया भिवंडी के सलाऊद्दीन स्कूल के हेड मास्टर और शिक्षक पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के सलाऊद्दीन अय्यूबी मेमोरियल उर्दू हाई स्कूल और कॉलेज के हेड मास्टर और एक शिक्षक के खिलाफ शांतिनगर पुलिस ने अल्पवयीन न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम की धारा 75 और 87 के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई स्थानीय निवासी फैज फरीद खान की शिकायत पर की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फैज फरीद खान का 14 वर्षीय पुत्र फहाद फैज खान उक्त स्कूल में अंग्रेजी माध्यम की 10वीं कक्षा में पढ़ता है। 3 अक्टूबर 2025 से स्कूल में प्रथम सत्र की परीक्षा शुरू हुई थी। आरोप है कि फीस न भर पाने के कारण स्कूल प्रशासन ने फहाद को परीक्षा के दौरान बाकी छात्रों से अलग जमीन पर बैठाकर पेपर देने को मजबूर किया। फैज खान के अनुसार, 'मेरा बेटा घर आकर रोने लगा और अगले दिन स्कूल जाने से मना कर दिया। उसने बताया कि उसे बाकी बच्चों के सामने नीचा दिखाया गया और बच्चे उसका मजाक उड़ा रहे थे।' इसके बाद पिता ने बेटे को समझा-बुझाकर स्कूल भेजा और स्वयं अपनी बेटी मोमिना के साथ स्कूल पहुंचे। उन्होंने देखा कि उनका बेटा तीसरी मंजिल पर जमीन पर बैठकर पेपर लिख रहा था, जबकि

अन्य सभी छात्र डेस्क-कुर्सी पर बैठे थे। जब उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद शिक्षक अहमद उल्ला से इस बारे में सवाल किया, तो शिक्षक ने कहा कि कुछ फीस बाकी है, इसलिए ऐसा किया गया है। इस पर फैज खान ने शिक्षा सुधार समिति के अध्यक्ष डॉ. कामरेड विजय कांबले से मुलाकात की और बिजय कांबले ने पीड़ित परिवार के साथ तुरंत शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने पहले बच्चे की परीक्षा बाधित न करने की सलाह दी। परीक्षा पूरी करने के बाद फैज खान ने दोबारा पुलिस में स्कूल प्रशासन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। शांतिनगर पुलिस ने इस मामले में स्कूल की हेड मास्टर खान अतिया बद्दूजमा और शिक्षक अहमद उल्ला के खिलाफ अल्पवयीन न्याय अधिनियम की धारा 75 (बच्चे के साथ क्रूरता) और 87 (बच्चे के अधिकारों का उल्लंघन) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने सितंबर 2025 के दौरान माल लदान में 86.21% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 200.55 करोड़ का राजस्व अर्जित किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने सितंबर 2025 के दौरान माल लदान में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिससे लदान मात्रा और राजस्व सृजन दोनों में मज़बूत वृद्धि हुई है।

सोलापुर मंडल निम्नलिखित स्थानों से माल ढुलाई का संचालन करता हैः

माल शेडः अरग, बाले, भिगवन, धाराशिव, कुर्डुवाडी, लातूर, पंढरपुर, सोलापुर, ताज सुल्तानपुर, तिलाती और वाडी

साइडिंगः एसीसी सीमेंट/वाडी, अल्ट्राटेक सीमेंट/होटगी, चेट्टीनाड सीमेंट/तिलाती, जुआरी सीमेंट/तिलाती, एनटीपीसी/होटगी, और आईओसीएल (पेट्रोलियम) के हिरेनंदुरु और पाकणी स्टेशन

गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलः हिरेनंदुरु में बीपीसीएल जीसीटी (पेट्रोलियम)

सितंबर 2025 के दौरान, मंडल ने पिछले वर्ष इसी अवधि (सितंबर 2024) के 290000 मीट्रिक टन की तुलना में 540000 मीट्रिक टन माल लदान किया, जो 86.21% की अभूतपूर्व वृद्धि दर्शाता है। माल ढुलाई से होने वाली आय भी पिछले वर्ष की तुलना में 70.89% बढ़कर 35.99 करोड़ हो गई, जो मंडल की परिचालन दक्षता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण की पुष्टि करता है।

वस्तु-वार प्रदर्शन (सितंबर 2025)

सीमेंटः 96 रेकों में 284000 मीट्रिक टन लदान किया गया, जो 27.53इ की वृद्धि दर्शाता है और माल ढुलाई से होने वाली आय ?16.81 करोड़ रही, जो 42.06इ की वृद्धि है।

क्लिंकरः 30 रेकों में 119000 मीट्रिक टन लदान किया गया, जिससे भार और आय दोनों में 100इ की वृद्धि हुई और कुल ?6.60 करोड़ की आय हुई।

पेट्रोलियम, तेल और लुब्रिकेंटः 31 रेकों के साथ नया यातायात जोड़ा गया, जिससे ?4.28 करोड़ का योगदान हुआ।

गुड़ः उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, भार में 51.42% और माल ढुलाई में 50.69% की वृद्धि हुई।

गिट्टीः 19.28% अधिक आय दर्ज की गई।

इन उपलब्धियों ने मंडल के वर्ष-दर-वर्ष प्रदर्शन में निरंतर सकारात्मक रुझान बनाए रखने में योगदान दिया है।

अप्रैल से सितंबर 2025 (संचयी प्रदर्शन)

वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में, अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान, सोलापुर मंडल ने 2.91 मिलियन टन माल का लदान किया, जो पिछले वर्ष अप्रैल से सितंबर 2024 की अवधि के 2.51 मिलियन टन की तुलना में 15.94इ की वृद्धि दर्शाता है और ?200.55 करोड़ की आय दर्शाता है। यह वृद्धि नए यातायात प्रवाह को प्राप्त करने, कुशल संचालन और बेहतर ग्राहक समन्वय के लिए केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान, मंडल ने 1,010 रेक संभाले, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 892 थी। इस प्रकार, रेक हैंडलिंग दक्षता में 13.23इ की वृद्धि हुई। लोडिंग मात्रा में समग्र वृद्धि, मंडल की परिचालन क्षमता और माल ढुलाई खंड में निरंतर मांग को दर्शाती है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) योगेश पाटिल ने सोलापुर, कलबुरगि, लातूर, धाराशिव, सांगली और पुणे जिलों के उद्योगों, कारखानों और व्यापारियों, विशेष रूप से सोलापुर की चीनी मिलों और कृषि उत्पादकों से अपील की है कि वे देश के विभिन्न भागों में अपने व्यापार का विस्तार करने के लिए रेलवे द्वारा प्रदान की गई माल परिवहन सुविधाओं का उपयोग करें।

अपने माल आधार का विस्तार करके और ग्राहक-अनुकूल लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करके, सोलापुर मंडल मध्य रेल के कुशल और सतत माल ढुलाई के मिशन में अपने योगदान को लगातार मजबूत कर रहा है।

भिवंडी में शरद पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

भजन संध्या और महाआरती से गूंजा - श्रीरामकृष्ण गौशाला प्रांगण

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के कामतघर ओसवाल स्कूल रोड स्थित श्रीरामकृष्ण गौशाला प्रांगण और गायत्री प्रजापीठ में मंगलवार की रात शरद पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। गायत्री परिवार ट्रस्ट, भिवंडी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आसपास के इलाकों से हजारों लोगों ने परिवार सहित उत्सव में भाग लेकर धार्मिक उल्लास का आनंद लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधानपूर्वक दीप प्रज्वलन और पूजन से हुआ। इस अवसर पर 24 मुख्य यजमानों ने सामूहिक रूप से चंद्रमा की आरती कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूर्णिमा की शीतल चांदनी में गाय के दूध से बनी आयुर्वेदिक खीर का प्रसाद तैयार किया गया, जिसे बाद में सभी श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।महोत्सव की विशेष आकर्षण भजन संध्या रही, जिसमें सुप्रसिद्ध गायक भवानी सिंह ने 'एक शाम गौमाता के नाम' शीर्षक से भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। उनके भजनों ने उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया और पूरा प्रांगण भक्ति रस से सराबोर हो गया।इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा उत्सव

के तहत दीप महायज्ञ, पूजन एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। योगाचार्य संदीप परीवाजक ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा की किरणों में विशेष अमृत तत्व विद्यमान होता है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि इस दिन बनाई जाने वाली खीर केवल व्यंजन नहीं, बल्कि ग्रंथों में वर्णित एक दिव्य औषधि मानी गई है। गाय के दूध, गंगाजल और सात्विक सामग्री से निर्मित यह खीर शरीर और मन दोनों के लिए लाभदायक होती है।कार्यक्रम में ट्रस्टी दयाशंकर गुप्ता, हरीश वारिया, व्यवस्थापक पी.डी. यादव, गौशाला प्रबंधक राजकुमार शर्मा, दिनेश राजपुरोहित, सतीश वारिया सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक उपेंद्र जोशी ने किया। शरद पूर्णिमा की शीतल चांदनी में सम्पन्न यह धार्मिक आयोजन देर रात तक चलता रहा, जिसमें भक्ति, श्रद्धा और आनंद का संगम देखने को मिला।

सूरत स्टेशन पर शुक्र से कुछ ट्रेनों के ठहराव बहाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी त्योहारों जैसे दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के मद्देनजर, कई त्योहार स्पेशल ट्रेनें उधना स्टेशन से ओरिजिनेट/टर्मिनेट होंगी, जिससे इस स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण के उपाय के रूप में सूरत स्टेशन पर अस्थायी रूप से बंद की गई कुछ ट्रेनों का ठहराव 10 अक्टूबर, 2025 से अगले आदेश तक पुनः बहाल किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्टेशन पुनर्विकास कार्य के मद्देनजर सूरत स्टेशन पर अस्थायी रूप से कुछ हटाई गई अप एवं डाउन ट्रेनों के ठहराव को 10 अक्टूबर, 2025 से बहाल किया जा रहा है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

सूरत स्टेशन पर निम्न अप ट्रेनों का ठहराव

1. 09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12655 अहमदाबाद- पुरट्टिच तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल नवजीवन एक्सप्रेस। 2.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12833 अहमदाबाद-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 3.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19483 अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस । 4.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19435 अहमदाबाद-आसनसोल एक्सप्रेस । 5.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20824 अजमेर-पुरी सुपरफास्ट। 6.15 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20820 ओखा-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस। 7.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22939 ओखा-बिलासपुर एक्सप्रेस। 8.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12993 गांधीधाम-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस।9.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20804 गांधीधाम-विशाखापत्तनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 10.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22664 जोधपुर-तांबरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 11.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22738 हिसार-सिकंदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 12.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ

करने वाली ट्रेन संख्या 22724 श्री गंगानगर-हजूर साहिब नांदेड़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 13. 16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22967 अहमदाबाद-प्रयागराज सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 14.15 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12905 पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 15.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22905 ओखा-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 16.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12949 पोरबंदर-सांतरागाछी कविगुरु एक्सप्रेस। 17.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16734 ओखा-रामेश्वरम एक्सप्रेस। 18.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22138 अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस। 19.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20903 एकता नगर-वाराणसी महामना एक्सप्रेस। 20.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20905 एकता नगर-रीवा महामना एक्सप्रेस। 21.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22937 राजकोट-रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 22.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12844 अहमदाबाद-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 23.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20862 अहमदाबाद-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस। 24.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22689 अहमदाबाद-यशवंतपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस । 25.15 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22973 गांधीधाम-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस **सूरत स्टेशन पर निम्न डाउन ट्रेनों का ठहराव** 1.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12906 शालीमार-पोरबंदर सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 2.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22906 शालीमार-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 3.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 4.08 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20861 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 5.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12994 पुरी-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 6.12 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12950 सांतरागाछी-पोरबंदर कविगुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 7. 09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20904 वाराणसी-एकता नगर महामना एक्सप्रेस। 8.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20823 पुरी-अजमेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 9.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22940 बिलासपुर-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 10.08 अक्टूबर, 2025को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 11.08 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19484 सहरसा-अहमदाबाद एक्सप्रेस । 12.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस। 13.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12656 पुरट्टिच तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल-अहमदाबाद नवजीवन एक्सप्रेस। 14.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22938 रीवा-राजकोट सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 15.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20906 रीवा-एकता नगर महामना एक्सप्रेस। 16.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22968 प्रयागराज-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 17.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22663 तांबरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 18.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22737 सिकंदराबाद-हिसार सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 19.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22137 नागपुर-अहमदाबाद प्रेरणा एक्सप्रेस। 20.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20819 पुरी-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 21.9 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20803 विशाखापत्तनम-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 22.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22723 हजूर साहिब नांदेड़-श्री गंगानगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से शास्त्रीय मराठी भाषा के बारे में जानकारी का रंगारंग आदान-प्रदान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

हमें शास्त्रीय मराठी भाषा पर गर्व है और हम इसका उत्सव मनाते हैं। इसलिए, मराठी भाषा के इतिहास और परंपरा तथा उसके साहित्य के बारे में हमारी जानकारी का अप्रत्यक्ष रूप से मूल्यांकन करने वाली अभिनव 'प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' मनपा मुख्यालय स्थित ज्ञान केंद्र में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई। इसमें मनपा के विभिन्न विभागों के प्रमुखों, अधिकारियों, कर्मचारियों और साहित्यप्रेमी नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और साहित्य उत्सव मनाया। नवी मुंबई मनपा के अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार ने श्रोताओं को बोर न करते हुए, मराठी भाषा से जुड़े चुटकुले और संस्मरण सुनाकर और मराठी साहित्य पर बात करके प्रश्नोत्तर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर, उपस्थित श्रोताओं द्वारा मराठी भाषा और मराठी साहित्य से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए जाने के बाद, उन्हें तुरंत पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में शास्त्रीय मराठी भाषा, उसकी परंपरा, संत-पंत-तंत कविताओं का प्रवाह, ज्ञानपीठ-भारत रत्न-महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार, गीत-कविता-उपन्यास, बोलियों, लेखकों के उपनामों आदि पर विविध ज्ञानवर्धक प्रश्न-उत्तरों से कार्यक्रम परिपूर्ण रहा और तदनुसार अतिरिक्त जानकारी भी दी गई।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से न केवल यह अनुमान लगाया जा सका कि मराठी के बारे में हमारी कितनी जानकारी और ज्ञान है, बल्कि दूसरों द्वारा दिए गए उत्तरों से हमें जो जानकारी नहीं थी, वह भी प्राप्त हुई। इसलिए, कई लोगों ने कहा कि इस पहल से मराठी भाषा के बारे में ज्ञान बढ़ता है और सही उत्तर देने पर पुरस्कार मिलने से हमारे ज्ञान की सराहना भी होती है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अवसर पर प्रशासन विभाग के उपायुक्त किसनराव पलांडे, शिक्षा विभाग के उपायुक्त संघरत्न खिल्लारे, आपदा प्रबंधन विभाग की उपायुक्त ललिता बाबर, अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. कैलाश

गायकवाड, नगर सचिव चित्रा बाविस्कर, विधि अधिकारी अभय जाधव, कार्यकारी अभियंता प्रवीण गाडे, शिक्षा अधिकारी सुलभा बरघरे उपस्थित थे.

इस क्विज़ प्रतियोगिता के विजेता डॉ. कैलाश गायकवाड़ हैं। अनुजा खरसाम्बले, राजेश तेलगोटे, अमोलकुमार वाघमारे, अरविन्द उर्सल, दुर्गा देशमुख, प्रवीण गाडे, अर्चना नागराले, संघरत्न खिल्लारे, मीरा मांडलिक, श्रीम. सुलभा बरघरे, सुनील जोशी, निशिकांत तेंदुलकर, चित्रा बाविस्कर, कुणाल वारुले, ज्योति मिसाल, शर्मिली दिघे, रवीन्द्र सोनवणे, सुरेखा खंडेराव, विजय महाजन, शोभा देशमुख, शर्मिला डोंगरे, आनंद काकड़े, सुनील बंदरकर, अभय जाधव, प्रदीप कांबले, शालिनी राउत, स्नेहल म्हात्रे, संजय मोरे, अजीत फकटकर, रवि जाधव, साजराम दक्खन, मारुति आंबेडकर, राहुल बनसोडे, विलास कांबले, स्वाति अमरुते, विजय बेबले, हनुमंत कोली, हीरा पाटिल, वर्षा कुंभार, प्रसाद कोली, रिंकू भास्कर, देवेंद्र भगत, मनीषा जाधव, स्वाति हम्प्रस, सचिन मोरे, संपदा बावकर, अनीता लोहकरे, दुर्गा लागस्कर, स्वाति जोशी को सही उत्तर देने पर पुस्तकों के रूप में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

उपस्थित कई श्रोताओं ने अपनी राय व्यक्त की कि इस गतिविधि, जो बहुत ही सरल और सामंजस्यपूर्ण तरीके से पूरी हुई, ने मराठी भाषा के बारे में उनके ज्ञान और जानकारी में उल्लेखनीय वृद्धि की। अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार सहित उपस्थित दर्शकों ने भी 'सुख म्हणनि नक्की काय अड्डा' गीत की धुन पर गायन किया और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का समापन हुआ।

उत्कृष्ट मराठी भाषा सप्ताह का समापन कार्यक्रम, गुरुवार, 9 अक्टूबर, 2025 को सुबह 11 बजे मनपा मुख्यालय स्थित ज्ञान केंद्र में आयोजित किया जाएगा। इसमें मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ नवी मुंबई मनपा क्षेत्र के बड़ी संख्या में इच्छुक नागरिक भी भाग ले रहे हैं और अपनी कविताएँ पढ़ने के बजाय, अपने पसंदीदा प्रसिद्ध कवियों की कविताएँ प्रस्तुत करेंगे। कविताएँ प्रस्तुत करने का अधिकतम समय 5 मिनट है और प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह प्रतियोगिता के तुरंत बाद आयोजित किया जाएगा। हालाँकि, नवी मुंबई मनपा नागरिकों से अपील कर रही है कि वे बड़ी संख्या में इस गतिविधि में शामिल हों और मराठी कविता की समृद्धि का अनुभव करें।

एशिया कप के दौरान भारतीय खिलाड़ी सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करते थे, वरुण चक्रवर्ती ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टीम इंडिया के मिस्ट्री गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि एशिया कप के दौरान भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया से थोड़ी दूरी बना ली थी। चक्रवर्ती ने बताया कि खिलाड़ी सिर्फ कुछ पोस्ट करने के लिए ही सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे। भारत ने पाकिस्तान को टी20 एशिया कप फाइनल में हराकर खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट के दौरान भारत-पाकिस्तान खिलाड़ियों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। वहीं भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। विवादों से घिरे एशिया कप के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि टीम का फोकस अपराजेय रहने पर था और हमने बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं दिया। एशिया कप को जीतने के बावजूद ट्रॉफी और पदकों के बिना लौटना पड़ा। वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि, हम मैच से पहले रणनीति बनाते हैं और फाइनल से पहले दो बार हम पाकिस्तान से खेल चुके थे तो हमें पता था कि क्या रणनीति होनी चाहिए। हम अपराजेय रहकर एशिया कप जीतने ही गए थे।

उन्होंने कहा कि, हम सभी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए थे और मैच के बाद कुछ पोस्ट करने के लिए ही उस पर जाते थे। पता नहीं भारत में कैसा माहौल था लेकिन वहां यूएई में सब खामोश था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के टॉप ऑर्डर को करना होगा कमाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना तीसरा मुकाबला खेलेगा। वहीं इस मुकाबले में भारतीय टॉप ऑर्डर को संभल कर रहने की जरूरत है और साउथ अफ्रीकी टीम के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा। फिलहाल, भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जायेगा। भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिये थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा।

अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा। भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है।

दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी। फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्ज और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी। दोनों टीमें इस प्रकार हैं- भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ साउथ अफ्रीका: लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

30 साल बाद विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव की भिड़ंत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद एक बार फिर शतरंज के मैदान में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए दिखेंगे। बुधवार से अमेरिका के सेंट लुई में क्लच शतरंज द लीजेंड्स टूर्नामेंट में आमने-सामने होंगे।

इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1, 44, 000 डॉलर होगी। वहीं इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा।

साल 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एंव ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज नाम दिया गया है। बता दें कि, गैरी कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी कभार टॉप प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन ये दोगुने हो जाएंगे। प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे। तीसरे दिन प्रत्येक बाजी जीतने पर तीन अंक मिलेंगे। वहीं विजेता को 70, 000 डॉलर यानी लगभग 62 लाख रुपये मिलेंगे जबकि हारने वाले को 50, 000 डॉलर यानी लगभग 44 लाख रुपये मिलेंगे। अगर 12 बाजी के बाद मैच बराबरी पर रहता है तो इनामी राशि आधी-आधी बांटी जाएगी जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 60, 000 डॉलर यानी करीब 35 लाख रुपये मिलेंगे। साथ ही 12 बाजी के लिए 24, 000 डॉलर यानी करीब 12 लाख रुपये की बोनस राशि भी मिलेगी।

भारतीय रेसलर अमन सेहरावत पर लगा एक साल का बैन, एशियन गेम्स से भी रहेंगे बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पेरिस ओलंपिक 2024 ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सेहरावत मुश्किल में आ गए हैं। उनके ऊपर भारतीय कुश्ती महासंघ ने एक साल का बैन लगाया है। दरअसल, हाल ही में क्रोएशिया के जाग्रेब में आयोजित सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह डिस्क्वालीफाई कर दिए गए थे। उन्हें 57 किलोग्राम वर्ग में वजन सीमा से 1.7 किलो ज्यादा पाया गया था। इसी कारण उनके ऊपर नियम तोड़ने का आरोप लगा। अब उनके ऊपर एक साल के लिए बैन लगा दिया गया है। अमन अगले साल 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वह अब भारतीय खेल इतिहास के पहले ऐसे एथलीट बन गए हैं जिनके ऊपर ओलंपिक मेडल जीतने के बाद भी होम फेडरेशन ने बैन लगाया है। उनका ये बैन 23 सितंबर 2025 से 22 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। ओलंपिक पदक विजेता और दो बार के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अमन सेहरावत के लिए ये एक बड़ा झटका है। वहीं अमन के बैन पर कुश्ती महासंघ ने एक पत्र में कहा कि, आपको कारण बताओ नोटिस की तिथि से एक साल की अवधि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों से निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि ये निर्णय अंतिम है। निलंबन की अवधि के दौरान आपको राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित या स्वीकृत किसी भी गतिविधि में भाग लेने या उससे जुड़ने से प्रतिबंधित किया जाता है।

वियरेबल स्मार्ट ग्लास से भी अब किया जा सकता है यूपीआई भुगतान

मुम्बई। अब भारत में वियरेबल स्मार्ट ग्लास के जरिये यूपीआई लाइट सुविधा से भुगतान किया जा सकता है। इसके लिए उपयोगकर्ता को केवल क्यूआर को स्कैन करना और वॉयस कमांड देना होगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने मंगलवार को कहा कि इस सुविधा के लिए न तो मोबाइल फोन की जरूरत होगी और न ही कोई पिन नंबर ही दर्ज करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025' में इस नई डिजिटल भुगतान सुविधा को पेश करने की घोषणा की। 'यूपीआई लाइट' को खास तौर पर छोटे मूल्य के बार-बार किए जाने वाले भुगतान के लिए विकसित किया गया है और इसमें मुख्य बैंकिंग प्रणाली पर निर्भरता बहुत कम रहती है। एनपीसीआई ने एक वीडियो जारी कर यह बताया है कि स्मार्ट ग्लास पर यूपीआई लाइट से भुगतान करना बस 'देखो, बोलो, भुगतान करो' की तरह ही सहज है। यह फीचर रोजमर्रा के भुगतान जैसे खुदरा, भोजन और परिवहन के लिए लक्षित है और डिजिटल भुगतान को अधिक आसान और निर्बाध बनाता है। एनपीसीआई ने बताया कि यह पहल वियरेबल परिवेश में यूपीआई का पहला विस्तार है और इसे 'सहज, परिवेश भुगतान' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे बैंक और भुगतान सेवा प्रदाताओं को भी लाभ होगा क्योंकि गैर-सीबीएस (कोर बैंकिंग प्रणाली) वॉलेट लेनदेन होने से मुख्य बैंकिंग प्रणाली पर दबाव कम होगा। एनपीसीआई ने कहा कि वियरेबल स्मार्ट ग्लास के जरिये यूपीआई लाइट से भुगतान की व्यवस्था भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान नवाचार में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी। देश में खुदरा भुगतान एवं निपटान प्रणालियों का संचालन करने वाली एनपीसीआई के पास यूपीआई का भी स्वामित्व है।

घरेलू बाजारों सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। लगातार पांचवें सत्र में बाजारों में तेजी कायम है। बीएसई सेंसेक्स 254.02 अंक चढ़कर 82, 180.77 अंक पर और एनएसई निफ्टी 70.25 अंक की बढ़त के साथ 25, 178.55 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाइटन, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और मारुति के शेयर सबसे अधिक मुनाफे में रहे। पावर ग्रिड, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 फायदे में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में गिरावट रही। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65.96 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1, 440.66 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर होंगे जसप्रीत बुमराह-साई सुदर्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 10 अक्तूबर से दिल्ली में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। अब 10 अक्तूबर से दिल्ली में होने वाले सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में भारत 1-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। कप्तान शुभमन गिल की नजरें जहां होंगी बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीतने पर। वहीं प्लेइंग 11 में भी कुछ बदलाव इस मुकाबले में नजर आ सकते हैं। दो खिलाड़ी जिनको बाहर करने की संभावना है वो हैं जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन। वहीं देवदत्त पडिक्कल की एंट्री हो सकती है अगर सुदर्शन को प्लेइंग 11 से बाहर किया गया। दरअसल, जसप्रीत बुमराह की बात करें तो एशिया कप2025 का फाइनल उन्होंने 28 सितंबर को खेला था। इसके बाद वह सीधे टीम के साथ अहमदाबाद पहुंच गए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने शानदार गेंदबाजी भी की थी। अब दिल्ली टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से भी वह बाहर हैं और 29 अक्तूबर से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में मैदान पर उतरेंगे। अभी ऑस्ट्रेलिया के कठि दौरे से पहले उनको आराम देकर प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया जा सकता है। बुधवार को अभ्यास सत्र में भी कृष्णा ने लंबे समय तक बुमराह, सिराज और रेड्डी के साथ गेंदबाजी की। साई सुदर्शन ने जरूर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर कि चिंता बढ़ा रखी होगी। उन्होंने अपनी 7 टेस्ट पारियों में सिर्फ 147 रन ही बनाए हैं। अहमदाबाद टेस्ट में भी वह फ्लॉप रहे थे। ऐसे में अब दिल्ली टेस्ट में उनको आखिरी मौका मिलेगा। या फिर कप्तान व कोच देवदत्त पडिक्कल को आजमाना चाहेंगे। पडिक्कल की बात करें तो वह हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनाधिकारिक टेस्ट मैच में 150 रन की पारी खेलकर आए हैं। इसके अलावा उन्होंने तीन टेस्ट पारियों में भारत के खिलाफ एक अर्धशतक भी लगाया है। जबकि सुदर्शन सात पारिया खेलकर सिर्फ एक पचासा लगा पाए हैं। संभावित प्लेइंग 11 : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल/साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह/ प्रसिद्ध कृष्णा/ अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

वैश्विक निवेशक महाराष्ट्र की व्यवसाय-अनुकूल पारिस्थितिकी का लाभ उठाएं : फडणवीस

मुम्बई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को वैश्विक निवेशकों से राज्य की 'व्यवसाय-अनुकूल' पारिस्थितिकी का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्य की कारोबार के लिए सुगम नीति ने निवेश को बेहद लाभदायक और सुगम बना दिया है। फडणवीस ने एक ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान कहा कि राज्य सरकार निवेशकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने और उद्योग, वित्त, शिक्षा, शहरी विकास एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''महाराष्ट्र देश का सबसे उद्योग-अनुकूल राज्य है, जहां मजबूत संपर्क और उत्कृष्ट अवसंरचना मौजूद है। हमारी वैश्विक विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी से उच्च दक्षता वाला मानव संसाधन तैयार हो रहा है।''

फडणवीस ने कारोबारी सुगमता पहल के तहत औद्योगिक अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाने और निवेशकों की समस्याओं के लिए समर्पित 'वॉर रूम' स्थापित करने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुंबई देश की औद्योगिक शक्ति का चेहरा बनी हुई है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं शिक्षा क्षेत्र में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश से नई संभावनाएं भी पैदा हो रही हैं।

फडणवीस ने महाराष्ट्र में संचालित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। इनमें नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक, प्रस्तावित 'तीसरी मुंबई' और 'चौथी मुंबई' कहा जा रहा वधावन बंदरगाह शामिल हैं।

युजवेंद्र चहल ने धनाश्री वर्मा के धोखाधड़ी के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी, 'उनका घर मेरे नाम से चल रहा है'

मुंबई।युजवेंद्र चहल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी एक्स वाइफ धनाश्री वर्मा के लगाए गए धोखा देने के आरोपों पर खुलकर बात की। क्रिकेटर ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन पर इन आरोपों का कोई असर नहीं।

धनाश्री वर्मा ने हाल ही में अपने एक्स पति युजवेंद्र चहल पर शादी के दो महीने के अंदर धोखा देने का आरोप लगाया था। रिएलिटी शो 'राइज एंड फॉल' जिसमें वह एक कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हैं, का एक क्लिप इस वजह से वायरल हो गया।

धनाश्री ने शो में यह बात की जिसके बाद फैन्स यह जानना चाह रहे थे कि क्या भारतीय क्रिकेटर ने वाकई ऐसा किया। हालांकि, चहल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया।

एजेंसी से बात करते हुए युजवेंद्र चहल ने कहा कि वह एक खिलाड़ी हैं और धोखा नहीं देते। अगर कोई शादी के दो महीने में धोखा देता तो क्या वह शादी इतने लंबे समय तक चलती? 'मेरे लिए यह चैप्टर खत्म हो चुका है, यह पूरी तरह बंद हो गया है। मैं अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुका हूं और बाकी लोगों को भी ऐसा करना चाहिए।' उन्होंने कहा।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी और धनाश्री की शादी करीब साढ़े चार साल तक चली। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर दो महीने में धोखा हुआ था, तो कोई इतने समय तक रिश्ता कैसे निभाता? उन्होंने दोहराया कि वह अपने अतीत से बाहर निकल चुके हैं, लेकिन कुछ लोग अभी भी उसी में अटके हैं।

'अभी भी कई लोग उस बात को पकड़े हुए हैं, अभी भी उनका घर मेरे नाम से चल रहा है, तो वे ऐसा करते रह सकते हैं। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता और न ही मैं प्रभावित हूं। मुझे लगता है कि मैं इस चैप्टर के बारे में आखिरी बार बात कर रहा हूं।'

क्रिकेटर ने जोर देकर कहा कि उन्होंने इस चैप्टप को भुला दिया है। अगर कोई कुछ भी कहता है, तो वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। सौ बातें कही जा रही हैं, लेकिन सच केवल एक है और जो लोग मायने रखते हैं, उन्हें यह पता है।

'मेरे लिए यह चैप्टर बंद है। मैं इसे दोबारा कभी नहीं उठाना चाहता।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी जिंदगी और अपने खेल पर ध्यान दे रहा हूं।'

उन्होंने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए कहा कि वह फिलहाल सिंगल हैं और अभी किसी रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी आरामदायक है, वे खुश हैं, और उनकी मां भी खुश हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

स्वास्थ्य विभाग
के.बी. भाभा अस्पताल, आर.के. पाटकर मार्ग, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-400050।
क्रमांक HO/ 8513/KBB दिनांक. 06.10.2025.

ई-निविदा सूचना

ग्रेटर मुंबई नगर निगम (एमसीजीएम) के आयुक्त इस क्षेत्र में काम करने वाले पात्र एनजीओ से बोलियां/ ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा विवरण निम्नानुसार हैं।

अ.क्र.	पैरामीटर	विवरण
1.	ई-निविदा/बोली संख्या	2025_MCGM_1225592
2.	विभाग	परिधीय अस्पताल.
3.	ई-निविदा का विषय	के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम) में विभिन्न विभागों / वार्डों में इनडोर और आउटडोर इकाइयों के लिए एसी पाइपलाइन पीवीसी कवर प्रदान करना और स्थापित करना।
4.	सम्पर्क करने का विवरण	चिकित्सा अधीक्षक दूरभाषः 022 26422775 एक्सटेंशन 4505 ईमेलः bhabha.bandra@yahoo.com
5.	वेबसाइट	www.mahaetender.gov.in

ई-निविदा महाएटेंडर पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है या हमें 022 26422775 एक्सटेंशन 4506 पर कॉल किया जा सकता है।

दिनांकः 06.10.2025.
स्थानः मुंबई

उप चिकित्सा अधीक्षक
पीआरओ/1852/विज्ञा./2025-26 **के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम)**

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बिहार चुनाव में जीत की रणनीति पर भाजपा का महामंथन, प्रधान-मौर्य ने संभाली कमान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं सह-प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को पटना स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा चुनाव समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं सह-प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, 'बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाएगी।' बिहार हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) (ंश्(ए)) के संस्थापक जीतन राम मांझी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (थ्र्ड्ढं(ह्न)) के अध्यक्ष चिराग पासवान के सीट बंटवारे से नाखुश होने के आरोपों का खंडन करते हुए, मौर्य ने कहा कि सभी खुश हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने आगे कहा कि एक बार (सीट बंटवारे पर) सब कुछ तय हो जाने के बाद, आपको सूचित कर दिया जाएगा। बैठक के बाद इसकी जानकारी दी जाएगी। कोई नाराज़ नहीं है, सभी खुश हैं और सभी खुश रहेंगे। इससे पहले, बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता जल्द ही बातचीत के ज़रिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देंगे। इस बीच, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बुधवार को आगामी बिहार चुनावों को लेकर आशा व्यक्त की और घोषणा की कि महागठबंधन में सीटों के बंटवारे का विवरण जल्द ही सामने आएगा। कुमार ने एएनआई से कहा, 'एनडीए गठबंधन के नेता बातचीत के ज़रिए हर समस्या का समाधान निकाल लेंगे। हर पार्टी का हर व्यक्ति अपने विचार रखता है।'

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। 243 विधानसभा सीटों के लिए 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा, और मतगणना 14 नवंबर को होगी। अंतिम सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जबकि इस साल 24 जून तक कुल मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ थी। चुनाव आयोग की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, और 1 अगस्त, 2025 तक मसौदा सूची में मतदाताओं की संख्या 7.24 करोड़ हो गई है।

डॉ प्रीति हॉस्पिटल में स्त्री स्वास्थ्य एवं सुपोषण पर संगोष्ठी

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार की आधारशिला- डॉ जी एस तोमर

झूँसी, प्रयागराज। आरोग्य भारती एवं डॉ प्रीति हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में प्रवेक कल्प के सौजन्य से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के अन्तर्गत डॉ प्रीति हॉस्पिटल, झूँसी में 'महिला स्वास्थ्य एवं सुपोषण' विषय पर शनिवार 11 अक्टूबर को एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जी बी पंत की डायरेक्टर डॉ अर्चना सिंह जी उपस्थित रहेंगी । विशिष्ट अतिथि मोतीलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज के पूर्व शोध अधिकारी डॉ शांति चौधरी एवं त्रिवेणीपुरम् विकास एवं कल्याण समिति की सचिव पर्यावरणविद् डॉ निर्मला तोमर रहेंगी । संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रीति त्रिपाठी करेंगी । अतिथि वक्ताओं में रोटेरियन श्रीमती गीतिका अष्ठाना 'सृजनात्मकता एवं स्वास्थ्य' विषय पर अपना उद्बोधन देंगी तथा श्रीमती मोक्षदा सिंह 'पारम्परिक आहार में नवाचार' विषय पर अपने अनुभव साझा करेंगी । संगोष्ठी के संयोजक डॉ तोमर ने बताया कि इस अवसर पर प्रबुद्ध महिला प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जा रहा है । उनका मानना है कि स्त्रियों को स्वास्थ्य की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि स्वस्थ स्त्री ही सशक्त परिवार की आधारशिला है । यह जानकारी आयोजन सचिव रोटेरियन अमित त्रिपाठी ने दी है ।

गीतांजलि अंगमो ने जोधपुर जेल में अपने पति सोनम वांगचुक से मुलाकात की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने बुधवार को कहा कि उन्होंने जोधपुर जेल में अपने पति से मुलाकात की। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के मामले में हिरासत में लिये जाने के बाद से जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं।

अंगमो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि मंगलवार को वकील रीतम खरे के साथ उन्होंने वांगचुक से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वांगचुक की कानूनी टीम ने हिरासत आदेश प्राप्त कर लिया है, जिसे अदालत में चुनौती दी जाएगी।

अंगमो ने पोस्ट में लिखा, "उनका (वांगचुक का) हौसला अडिग है। उनकी प्रतिबद्धता दृढ़ है! उन्होंने सभी के समर्थन और एकजुटता के लिए हार्दिक आभार जताया है।" दस्तावेज में वांगचुक के खिलाफ आरोपों और उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लागू करने के कारणों का उल्लेख है।

वांगचुक के भाई त्सेतन दोरजे ने भी शनिवार को वकील मुस्तफा हाजी के साथ जेल में उनसे मुलाकात की थी। अंगमो ने अपने पति की रिहाई के लिए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है। याचिका पर सुनवाई 14 अक्टूबर को निर्धारित है।

वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा दिये जाने और इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था।

डीजीसीए का इंडिगो पर बड़ा एक्शन पायलट ट्रेनिंग में चूक पर 20 लाख जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पर श्रेणी सी हवाई अड्डों पर पायलट प्रशिक्षण में कथित अनियमितताओं के लिए 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने बुधवार को शेयर बाजारों को सूचित किया कि एयरलाइन को विमानन नियामक से आधिकारिक सूचना 26 सितंबर, 2025 को प्राप्त हुई थी।

डीजीसीए के अनुसार, यह उल्लंघन इंडिगो द्वारा पायलट प्रशिक्षण के लिए उचित रूप से योग्य सिमुलेटरों का उपयोग करने में कथित विफलता से संबंधित है - जो विमानन सुरक्षा मानदंडों के तहत एक अनिवार्य आवश्यकता है। एयरलाइन के प्रशिक्षण रिकॉर्ड की नियामक द्वारा की गई समीक्षा में पाया गया कि कमांडरों और प्रथम अधिकारियों सहित लगभग 1, 700 पायलटों ने पूर्ण उड़ान सिमुलेटरों (एफएफएस) पर सिम्युलेटर सत्र में भाग लिया, जो विशिष्ट श्रेणी सी हवाई अड्डों पर संचालन के लिए प्रमाणित नहीं थे। भारत की नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं के अनुसार, श्रेणी सी हवाई अड्डों के लिए पायलट प्रशिक्षण उन चुनौतीपूर्ण स्थानों के लिए विशेष रूप से योग्य सिमुलेटरों का उपयोग करके आयोजित किया जाना चाहिए।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, इंडिगो ने कहा कि वह उचित अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष डीजीसीए के आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है। एयरलाइन ने आगे स्पष्ट किया कि इस जुर्माने का उसकी वित्तीय स्थिति, संचालन या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा। एयरलाइन ने जानकारी देने में देरी के लिए आंतरिक संचार में देरी को भी जिम्मेदार ठहराया। इंडिगो ने अपने बयान में कहा कि यह देरी अनजाने में हुई और आदेश के विवरण के आंतरिक संचार में देरी के कारण हुई।

तालिबान ने तो पूरा खेल ही पलट दिया, इस एयरबेस के लिए ट्रंप से सीधे भिड़ने वाले हैं भारत-पाकिस्तान, चीन और रूस

काबुल। इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम ही देखने को मिले होंगे जब किसी मुद्दे को लेकर भारत और पाकिस्तान एक साथ आ खड़े हो। वहीं अगर इसमें रूस और चीन जैसे देशों का साथ भी मिल जाए तो साफ हो जाता है कि मामला थोड़ा बड़ा है। अब ऐसा ही कुछ अफगानिस्तान को लेकर देखने को मिल रहा है। भारत अब तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अफ़ग़ानिस्तान में बगराम एयरबेस पर फिर से नियंत्रण पाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश का विरोध कर रहा है। यह घोषणा तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की नई दिल्ली की निर्धारित यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है, जो किसी वरिष्ठ तालिबान राजनयिक के लिए पहली ऐतिहासिक यात्रा होगी।

अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श की सातवीं बैठक मास्को में हुई, जिसमें अफगानिस्तान, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, तथा बेलारूस भी अतिथि के रूप में उपस्थित था। ज्वाइंट स्टेटमेंट में कहा गया है कि उन्होंने अफगानिस्तान और पड़ोसी राज्यों में देशों द्वारा अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को तैनात करने के प्रयासों को अस्वीकार्य बताया, क्योंकि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हितों की पूर्ति नहीं करता है। हालांकि बगराम का स्पष्ट रूप से नाम नहीं लिया गया, लेकिन संदेश को व्यापक रूप से ट्रम्प की मांग के रूप में देखा गया।

ट्रंप ने अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान शासकों से बगराम को सौंपने का बार-बार आह्वान किया है, लगभग पाँच साल पहले 2020 के एक समझौते ने काबुल से अमेरिका की वापसी का रास्ता साफ़ किया था। 18 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हमने तालिबान को मुफ़्त में दे दिया। हम उस अड्डे को वापस चाहते हैं। दो दिन बाद, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चेतावनी दी, अगर अफ़ग़ानिस्तान बगराम एयरबेस को इसे बनाने वालों, यानी संयुक्त राज्य अमेरिका को वापस नहीं करता है, तो बुरा होगा! हालांकि, तालिबान ने इस अनुरोध को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। मुख्य प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफ़ग़ान किसी भी हालत में अपनी ज़मीन किसी को भी नहीं सौंपने देंगे। काबुल से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित बगराम हवाई अड्डा, अफ़ग़ानिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य हवाई अड्डा है, जिसमें 3 किलोमीटर और 3.6 किलोमीटर के दो कंक्रीट रनवे हैं। इसकी रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढाँचा इसे अफ़ग़ान हवाई क्षेत्र, खासकर देश के ऊबड़-खाबड़ इलाकों में, नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण गढ़ बनाता है।

कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने फिर बरसाई गोली, दी खुली धमकी- 'यही होगा अंजाम'

ओचावा। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने कनाडा में गोलीबारी की एक और घटना को अंजाम दिया है। इस बार, हमले में सरे स्थित एक रेस्टोरेंट मालिक के कई प्रतिष्ठान शामिल थे। लॉरेंस गिरोह के एक सदस्य गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ली है। गिरोह ने रेस्टोरेंट मालिक पर अपने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें वेतन न देने का आरोप लगाया है। गिरोह ने चेतावनी दी है, जो कोई भी ऐसा करेगा, उसे यहाँ भी यही अंजाम भुगतना होगा।

दो दिन पहले ही, लॉरेंस गिरोह ने कनाडा में अपने प्रतिद्वंद्वी नवी तासी से जुड़े तीन ठिकानों उनके घर, दफ़्तर और परिसर पर कथित तौर पर गोलीबारी की थी। इन गोलीबारी के वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आए थे। गिरोह ने आगे आरोप लगाया कि नवी तासी ने लॉरेंस के नाम का इस्तेमाल करके लोगों से 50 लाख रुपये (करीब 80, 000 कनाडाई डॉलर) की जबरन वसूली की थी। पोस्ट में लिखा था, मैं फ़तेह पुर्तगाल बोल रहा हूँ। अब हम नवी तासी से जुड़े ठिकानों पर गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ले रहे हैं। ये सभी जगहें नवी तासी की हैं, और पिछले तीन दिनों से हम इन जगहों पर गोलीबारी कर रहे हैं। नवी तासी ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर गायकों से जबरन 50 लाख रुपये वसूले हैं। इसलिए हम उसके पीछे पड़े हैं। कनाडा के जन सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने 29 सितंबर को घोषणा की कि बिश्नोई गिरोह को कनाडा में हत्या, गोलीबारी और आगजनी सहित हिंसक अपराधों में संलिप्तता के कारण आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया अब सूचीबद्ध इकाई के रूप में, बिश्नोई गिरोह कनाडा की आपराधिक संहिता के तहत आतंकवादी समूह की परिभाषा को पूरा करता है। आतंकवादी सूची में शामिल होने का अर्थ है कि कनाडा में उस समूह के स्वामित्व वाली कोई भी चीज़, जैसे संपत्ति, वाहन, धन, ज़ब्त या ज़ब्त किया जा सकता है और इससे कनाडा के कानून प्रवर्तन को वित्तपोषण, यात्रा और भर्ती से संबंधित आतंकवादी अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए और अधिक साधन मिलेंगे।

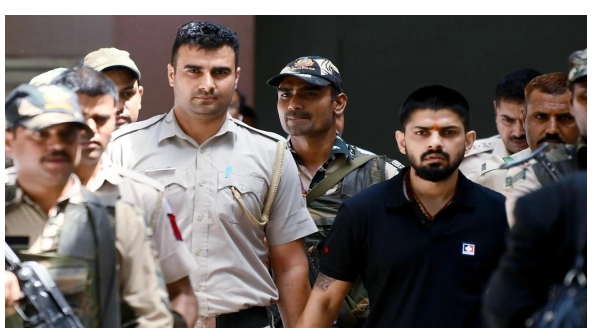

खैबर पख्तूनख्वा में छिड़ी भीषण लड़ाई, 11 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया गया

कुर्रम। अफ़ग़ान सीमा के पास तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बंदूकधारियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में पाकिस्तान के अर्धसैनिक बलों के ग्यारह सदस्य मारे गए, जिनमें दो अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी कुर्रम ज़िले में बंदूकधारियों द्वारा गोलीबारी शुरू करने से पहले सड़क किनारे बमों ने काफ़िले को निशाना बनाया। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि ये सैनिक पास के ओरकज़ई ज़िले में एक अभियान के दौरान मारे गए, जिसमें 19 आतंकवादी भी मारे गए। रॉयटर्स से बात करते हुए पाकिस्तानी तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली। हाल के महीनों में, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जो सरकार को उखाड़ फेंकने और इस्लामी शासन के अपने कट्टरपंथी संस्करण को लागू करने की कोशिश कर रहा है ने सुरक्षा बलों पर हमले तेज़ कर दिए हैं। इस्लामाबाद इस समूह पर प्रशिक्षण और हमलों की योजना बनाने के लिए अफ़ग़ानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करने का आरोप लगाता है।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने बताया कि सुरक्षा बलों ने मंगलवार देर रात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ओरकज़ई ज़िले में एक खुफ़िया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान, 19 बंदूकधारी मारे गए, जिसे सेना ने सैनिकों की प्रभावी मुठभेड़ बताया। हालाँकि, 39 वर्षीय लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद आरिफ़ और 33 वर्षीय मेजर तैय्यब राहत उन 11 सैनिकों में शामिल थे जिन्होंने गोलीबारी में अपने जान गंवाए।

पिछले महीने, खैबर पख्तूनख्वा के दक्षिणी वज़ीरिस्तान में आतंकवादियों के साथ झड़पों में कम से कम 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। हाल ही में पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर प्रांत के एक गाँव पर टीटीपी के गढ़ को निशाना बनाकर बमबारी की, जिसके परिणामस्वरूप कई नागरिक हताहत हुए।

अमेरिका फर्स्ट नहीं चलेगा, अब ट्रंप को ही औकात दिखाने लगे नेतन्याहू

यरुशलम। इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर ज़ोर देते हुए कहा कि इज़राइल गाजा में युद्ध समाप्त करने के करीब है, लेकिन उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हमास अभी तक नष्ट नहीं हुआ है। बेन शापिरो के साथ एक विस्तृत साक्षात्कार में नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों पर खुलकर बात की, साथ ही उन्होंने अमेरिका को याद दिलाया कि महाशक्तियों को भी सहयोगियों की ज़रूरत होती है। नेतन्याहू ने ट्रम्प को विशेष रूप से चेतावनी दी कि ईरान अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है जो न्यूयॉर्क, बोस्टन, वाशिंगटन को अपने रडार पर रख सकती हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल हमेशा अमेरिका की रक्षा करेगा। हालांकि, उन्होंने रेखांकित किया कि तात्कालिक कार्य हमास के शासन को समाप्त करना है। नेतन्याहू ने कहा कि हम युद्ध समाप्त करने के करीब हैं। लेकिन अभी तक नहीं... गाजा में जो शुरू हुआ था, वह हमारे 46 बंधकों की रिहाई और हमास के शासन के अंत के साथ गाजा में ही समाप्त होगा। 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमास के हमले को दो साल हो गए हैं, जिसने मध्य पूर्व को एक विनाशकारी युद्ध में धकेल दिया था, जिसके जवाब में तेल अवीव के हमलों ने गाजा में हज़ारों लोगों की जान ले ली और पूरे के पूरे कस्बे और शहर तबाह कर दिए। इसका असर लेबनान, कतर, यमन और ईरान में भी महसूस किया गया है। गौरतलब है कि नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इज़राइल और हमास, गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रम्प की 20-सूत्रीय योजना को लागू करने के लिए एक समझौते पर पहुँचने के लिए मिस्र में बातचीत कर रहे हैं।

सिर्फ औरंगजेब के वक्त एकजुट था भारत, पाक मंत्री का विवादित बयान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को एक साक्षात्कार में कहा कि भारत के साथ युद्ध के खतरे वास्तविक हैं। इस साक्षात्कार में उन्होंने एक बार फिर कई भड़काऊ बयान दिए। यह टिप्पणी भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उस चेतावनी के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता है तो भारतीय सेना इस बार कोई संयम नहीं रखेगी। समा टीवी के साथ एक साक्षात्कार में आसिफ ने भारत के इतिहास और संघर्ष के समय पाकिस्तान की 'एकता' के बारे में भी विचित्र दावे किए। उन्होंने कहा कि मैं तनाव नहीं बढ़ाना चाहता, लेकिन खतरे तो असली हैं, और मैं इससे इनकार नहीं कर रहा। अगर युद्ध की नौबत आई, तो ईश्वर की कृपा से हम पहले से बेहतर नतीजे हासिल करेंगे।

रक्षा मंत्री ने तब दावा किया कि भारत कभी भी एक संयुक्त राष्ट्र नहीं रहा और हालाँकि पाकिस्तानी अपने देश में बहस और लड़ाई करते हैं, लेकिन नई दिल्ली के साथ संघर्ष के दौरान वे एकजुट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि औरंगज़ेब के शासनकाल को छोड़कर, भारत कभी भी एक संयुक्त राष्ट्र नहीं रहा। पाकिस्तान अल्लाह के नाम पर बनाया गया था। अपने देश में हम बहस और प्रतिस्पर्धा करते हैं। भारत के साथ लड़ाई में हम एकजुट हो जाते हैं। आसिफ के नवीनतम भड़काऊ बयान उनके द्वारा पहले की गई टिप्पणियों की एक श्रृंखला के बाद आए हैं, जहां उन्होंने समा टीवी से कहा था कि भविष्य में किसी भी भारतीय आक्रामकता का पाकिस्तान की ओर से और भी बड़ी प्रतिक्रिया दी जाएगी। आसिफ की टिप्पणी सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी की चेतावनी के जवाब में प्रतीत होती है, जिन्होंने पाकिस्तान को आगाह किया था कि यदि वह विश्व मानचित्र पर अपना अस्तित्व बनाए रखना चाहता है तो उसे आतंकवाद का समर्थन करना बंद करना होगा। जनरल द्विवेदी ने कहा भारत इस बार पूरी तरह तैयार है। हम ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम को नहीं दिखाएंगे। इस बार कार्रवाई ऐसी होगी कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि क्या वह भौगोलिक रूप से अस्तित्व में रहना चाहता है।

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)